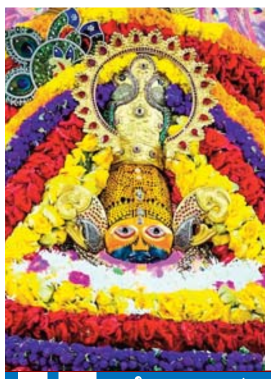

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:220। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 01 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/


## संक्षिप्त समाचार

### सेमीकंडक्टर प्लांट 14 महीनों में तैयार हुआ

•भारत बनेगा वैश्विक हब: अश्विनी वैष्णव

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अहमदाबाद के साणंद जीआईडीसी स्थित केयन्स सेमीकॉन संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर इंजीनियर का सपना साकार हो रहा है और भारत तेजी से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि महज 14 महीनों में फाउंडेशन से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन की शुरुआत होना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैष्णव ने बताया कि 28 फरवरी को पहले प्लांट का उद्घाटन हुआ था, जबकि 31 मार्च को दूसरे प्लांट का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक तीसरा प्लांट भी शुरू हो जाएगा। वर्ष 2026 तक चार सेमीकंडक्टर प्लांट तैयार हो जाएंगे और 2027 तक दो और प्लांट शुरू होंगे। इसके अलावा, धोलेरा में भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैक्ट्री 2028 तक तैयार होने की उम्मीद है।उन्होंने गुणवत्ता और लागत प्रतिस्पर्धा पर जोर देते हुए कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर टिके रहने के लिए इन दोनों पहलुओं में श्रेष्ठता हासिल करनी होगी। उन्होंने बताया कि देश में करीब 60,000 इंजीनियरों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स जैसे सिपनोपिस और केडेंस पर प्रशिक्षण दिया गया है और 315 विश्वविद्यालयों में यह क्षमता विकसित की जा रही है।

### टीएमसी का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस

•पेस साल 2021 से तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए थे।

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस पश्चिम बंगाल 2026 के चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए हैं। मंगलवार को दिल्ली मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और सुकांता मजूमदार की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा का दामन थामा। पेस साल 2021 से तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए थे। पश्चिम बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनावों से पहले लिएंडर पेस का भाजपा में शामिल होना तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ा झटका भी माना जा रहा है। गौरतलब है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लिएंडर पेस से मिले थे और इस मुलाकात में सौमिक भट्टाचार्य भी शामिल हुए थे। तभी से ऐसी अटकलें लगा जा रही थीं कि पेस जल्द ही भाजपा से जुड़ सकते हैं। पेस को केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने फूलों का एक बुके और भाजपा की सदस्यता वाली पर्ची देकर पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने पर लिएंडर पेस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा दिन बताया है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मुझे इस देश और युवाओं की सेवा करने का जो मौका दिया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

### मुजफ्फरनगर में घर में मिले दंपती व दो बच्चों के शव

•फंदे पर लटका था पति, पत्नी फर्श पर, बिस्तर पर थे मासूम

**एजेंसी**

**मुजफ्फरनगर।** उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरवट इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर में मिले। एक कमरे में पत्नी और दो बच्चों के शव थे, तो वहीं पति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, सरवट निवासी इरशाद (32) पेंटर का काम करता था। मंगलवार सुबह उसका परिवार सोकर नहीं उठा और न ही उनके मकान का दरवाजा खुला। इरशाद के भाई नौशाद ने जब आकर देखा तो कमरे का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब कमरे में प्रवेश किया तो इरशाद का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। वहीं, उसकी पत्नी नूरीन (28) फर्श पर मृत अवस्था में पड़ी थी। घर के दो छोटे बच्चे, दो साल का बेटा आहिल और एक माह की बेटी अक्शा भी बिस्तर पर मृत पाए गए।

# पीएम ने सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

•कहा- भारत को इस सेक्टर में ग्लोबल हब बनाने का कोरोना काल में संकल्प लिया

**एजेंसी**

**साणंद।** पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट (OSAT) का उद्घाटन किया। इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की। पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं। उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा।

पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था। पीएम वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

'मुझे पता चला है कि यहां वर्तमान में निर्मित उत्पादों का एक बड़ा बैच एक्सपोर्ट के लिए पहले ही बुक हो चुका है। साणंद में उत्पादित मॉड्यूल अमेरिकी कंपनियों को आपूर्ति किए जाएंगे, जिससे दुनिया भर के उद्योगों को बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी। 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल का प्रभाव विश्व के हर कोने में महसूस किया जाएगा।'

### चिप्स को कैलिफोर्निया भेजा जाएगा

- इस प्लांट में एडवांस्ड इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल (IPMs) बनाए जाएंगे, जिसका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल डिवाइस में किया जाता है।
- हर मॉड्यूल में 17 चिप्स होंगे और इन्हें कैलिफोर्निया की कंपनी अल्फा और ओमेगा सेमीकंडक्टर को सप्लाई किया जाएगा।
- प्लांट के सभी फेज पूरे होने के बाद इसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी प्रतिदिन 6.33 मिलियन यूनिट बनाने की होगी।
- यह माइक्रोन टेक्नोलॉजी के बाद देश की दूसरी सेमीकंडक्टर यूनिट होगी, जो प्रोडक्शन शुरू करेगी।

### म्यूजियम में 2 हजार से ज्यादा दुर्लभ चीजें

म्यूजियम में सात अलग-अलग विंग हैं, जहां दुर्लभ जैन चट्टानों, पत्थर और धातु की मूर्तियां, प्राचीन पांडुलिपियां, सिक्के, चांदी के रथ और मिनिएचर पेंटिंग प्रदर्शित की गई हैं। म्यूजियम में दो हजार से ज्यादा दुर्लभ चीजें रखी गई हैं, जो जैन धर्म के विकास और उसके सांस्कृतिक प्रभाव को दर्शाती हैं।

### मोदी ने कहा- भारत इस दिशा में मिशन मोड पर काम कर रहा

2021 में भारत ने इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन शुरु किया था। यह मिशन सिर्फ एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का ऐलान था। अच्छा होता कि यह काम आज से 30-40 साल पहले शुरू हो गया होता। लेकिन, भारत अब इस दिशा में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस दिशा में एक मिशन मोड पर काम कर रहा है।

## भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय बैठक

• आपसी संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 30 मार्च, 2026 को रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रे रुडेंको के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) किया। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ रणनीतिक साझेदारी, आपसी हितों और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार भी साझा किए। दोनों पक्षों ने दिसंबर 2025 में नई दिल्ली में हुए 23वें सालाना समिट में लिए गए फैसलों को लागू करने में हुई प्रक्रिया की समीक्षा की। दिसंबर की इस यात्रा के दौरान, रुडेंको ने भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से भी मुलाकात की। एफओसी का आखिरी राउंड मार्च 2025 में मॉस्को में हुआ था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'भारत-रूस विदेश कार्यालय परामर्श सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसकी सह-अध्यक्षता विदेश सचिव विक्रम मिसरी और

- 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के मई में भारत आने को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, लावरोव 14-15 मई को ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आ सकते हैं।'

रूस के उप विदेश मंत्री एंड्रे रुडेन्को ने की। ' उन्होंने कहा, 'दोनों पक्षों ने विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आपसी दृष्टिकोण साझा किए। '

### खाड़ी युद्ध के मद्देनजर देशभर में एलपीजी-पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनश्चित करें सरकार: मायावती

• मायावती का दावा- 2027 में उत्तर प्रदेश में बनेगी बसपा की सरकार

**एजेंसी**

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि इस समय अमेरिका-इजराइल और ईरान देशों के युद्ध के बीच केंद्र सरकार देशभर में एलपीजी-पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनश्चित करें। वस्तुओं की कीमतों पर भारी वृद्धि से 'गरीबी में आटा गीला होने' से उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं।

इसके समाधान के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती मंगलवार को यहां पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने कहा कि खाड़ी युद्ध की वजह से भारत में रसोई गैस, पेट्रोल और पेट्रोलियम पदार्थों आदि के संकट का सामना करना पड़ रहा है।

इसके कारण सभी प्रकार की वस्तुओं की कीमतों पर भारी वृद्धि हुई है। गरीब और मेहनतकश समाज के लोग जो पहले से ही संघर्ष कर रहे है इसकी वजह से 'गरीबी में आटा गीला होने' से उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं।

इसके समाधान के लिए सरकार को लगातार प्रभावी कदम उठाना जरूरी है, ताकि देश की जनता को नोटबंदी और कोरोना महामारी जैसा संकट के एक और अभूतपूर्व दौर से गुजरना न पड़े।

**महानगर मेट्रो स्पेशल इन्वेस्टिगेशन : सुधीर मराठी महज एक मोहरा, जफर खान है अरबों के साम्राज्य का असली मास्टरमाइंड !**

# कॉल सेंटर महाघोटाले का अहमदाबाद कनेक्शन उजागर

**महानगर मेट्रो**

**अहमदाबाद, (पवन माकन)।** जब भी कोई बड़ा वित्तीय घोटाला या साइबर अपराध सामने आता है, तो जांच की सुइयां अक्सर अहमदाबाद के किसी न किसी कोने की ओर इशारा करती हैं. हाल ही में उजागर हुए सुधीर मराठी के अरबों रुपये के साम्राज्य और छत्तीसगढ़ स्थित अवैध कॉल सेंटर घोटाले ने देश भर में हड़कंप मचा दिया है. लेकिन जांच में जो सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, वह यह है कि सुधीर मराठी शायद इस खेल का केवल एक चेहरा है. असली खिलाड़ी, जो पर्दे के पीछे से पूरी बिसात बिछा रहा था, वह है अहमदाबाद का रहस्यमयी शख्स - जफर खान.

कौन है जफर खान? लाइमलाइट से दूर, अपराध का 'साइलेंट ऑपरेटर'

जांच एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार, जफर खान इस पूरे सिंडिकेट का 'पर्दे के पीछे का डायरेक्टर' है. जब सुधीर मराठी फ्रंट पर रहकर साम्राज्य संभाल रहा था और मीडिया की सुर्खियों में था, तब जफर खान अहमदाबाद में बैठकर गेम का पूरा नेटवर्क ऑपरेट कर रहा था. उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक थी:

* **टेक्निकल मास्टरमाइंड:** जफर खान पर छत्तीसगढ़ के अवैध कॉल सेंटरों को सुरक्षित डेटाबेस और आवश्यक तकनीकी सुरक्षा (साइबर कवच) प्रदान करने का संदेह है, ताकि वे पकड़े न जाएं.

* **हवाला और मनी ट्रान्सफर:** अवैध रूप से विदेशों से आने वाले पैसे को ठिकाने लगाने (लॉन्ड्रिंग) के लिए जफर खान के विस्तृत हवाला नेटवर्क का उपयोग किए जाने के पुख्ता सबूत मिले हैं. वह पैसे को 'व्हाइट' करने का विशेषज्ञ माना जाता है.

अमेरिकी नागरिकों को कैसे बनाया गया शिकार? 150 करोड़ की ठगी की **'हॉलीवुड स्टाइल' मोडस ऑपरेंडी**

इस घोटाले की कार्यप्रणाली किसी हॉलीवुड क्राइम थ्रिलर से कम नहीं है. छत्तीसगढ़ के कॉल सेंटरों से अमेरिकी नागरिकों को बड़े पैमाने पर टारगेट किया जाता था:

* **डर का माहौल:** अमेरिकी नागरिकों को फोन करके डराया जाता था कि उनका 'सोशल सिक्योरिटी नंबर' किसी गंभीर आपराधिक गतिविधि (जैसे ड्रग तस्करी या मनी लॉन्ड्रिंग) में इस्तेमाल हुआ है.

* **समाधान का झांसा:** गिरफ्तारी और जेल जाने के डर से बचने के लिए, उन्हें 'गिफ्ट काड्र्स' या 'क्रिप्टोकरेंसी' के माध्यम से तत्काल भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाता था

**अहमदाबाद कनेक्शन:** इस तरह ठगे गए लगभग 150 करोड़ रुपये हवाला के जरिए वाया अहमदाबाद होकर सुधीर मराठी और उसके सहयोगियों के बैंक खातों में पहुंचते थे।

**क्या अहमदाबाद है इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का एपिसेंटर ?**

छत्तीसगढ़ में पकड़े गए कॉल सेंटर के तार सीधे अहमदाबाद के पॉश इलाकों - सी.जी. रोड और एस.जी. हाईवे पर स्थित कुछ संदेहास्पद कॉर्पोरेट ऑफिसों से जुड़े हैं. सूत्रों के मुताबिक, जफर खान और सुधीर मराठी के बीच का रिश्ता महज कारोबारी नहीं है, बल्कि यह एक सुनियोजित सिंडिकेट है जो साइबर अपराध की दुनिया में भारत की छवि को धूमिल कर रहा है. वे अंतरराष्ट्रीय गिरोहों के साथ मिलकर काम कर रहे थे।

**जांच का दायरा बढ़ा:** अब जफर खान के 'करीबियों' और 'बेनामी संपत्तियों' पर नजर

'पाक्को गुजरात न्यूज' और अब 'महानगर मेट्रो' की पड़ताल के अनुसार, जांच एजेंसियां अब जफर खान की बेनामी संपत्तियों, उसके अहमदाबाद स्थित आश्रयदाताओं और उसके राजनीतिक संपर्कों तक पहुंचने की तैयारी में हैं। उसके बैंक खातों और विदेशी दौरों की भी गहनता से जांच की जा रही है.

**अगले अंक में विशेष खुलासा:**

* कैसे लग्जरी लाइफस्टाइल जीने वाला सुधीर मराठी पुलिस के रडार में आया ?

* जफर खान के वो 'पॉलीटिकल कनेक्शन', जिन्होंने उसे अब तक बचाकर रखा ?

* हवाला ऑपरेटरों और बिल्डरों का वो गठजोड़, जो इस काले धन को सफेद कर रहा है।

### सोनिया गांधी को मिली गंगा राम अस्पताल से छुट्टी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें 24 मार्च को बुखार होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टरों के अनुसार वे एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स दी गई।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार सोनिया गांधी को 24 मार्च की रात 10:22 बजे बुखार के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उन्हें एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से इलाज दिया गया और उन्होंने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी। अब वे ठीक हो चुकी हैं और आज सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

## लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डीजीएमओ होंगे

• मौजूदा डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई होंगे डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटेजी)

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। अब लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) होंगे। वह उत्तर-पूर्व में सेना की स्पीयर कॉर्प्स की कमान संभालने वाले अनुभवी अधिकारी हैं। मौजूदा डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटेजी) के तौर पर जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे बदलते युद्ध के माहौल में ऑपरेशनल स्ट्रेटेजी को एक नई दिशा मिलेगी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई अक्टूबर, 2024 में डीजीएमओ नियुक्त हुए थे। वे सेना के अभियानों, खुफिया समन्वय और पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने पिछले साल मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरानआतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसके बाद पाकिस्तान ने सीजफायर की गुहार लगाई थी। उन्होंने अपने सैन्य करियर की शुरुआत 1989 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करके की। इससे पहले वे श्रीनगर स्थित 15वीं कोर (चिनार कॉर्प्स) के कमांडर थे, क्योंकि उन्हें जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों और सीमा पार सैन्य कूटनीति का विशेषज्ञ माना जाता है। उन्हें उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और सेना मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। जून, 2025 से वह डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटजी) का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे, जो सेना में बेहद महत्वपूर्ण नियुक्ति है।भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व में बड़ा बदलाव करके लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर को डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) पद पर नियुक्त किया गया है।

•अपने सैन्य करियर की शुरुआत 1989 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करके की।

### मकान में केमिकल ब्लास्ट

•ब्लास्ट के बाद आग, 5 की मौत

**एजेंसी**

**सूरत।** गुजरात के सूरत के लिंबायत क्षेत्र में मीठी खाड़ी के पास स्थित एक मकान में केमिकल में विस्फोट होने से भीषण आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है। बताया गया एक घर में साड़ियों का काम होता था, जिसके चलते वहां ज्वलनशील केमिकल रखा गया था। केमिकल में अचानक ब्लास्ट होने से घर में जबरदस्त आग लग गई। इस हादसे में पांच लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन घायलों को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान शहनाज़ बेगम अब्दुल कलाम अंसारी (65 वर्ष), हुसा बेगम अब्दुल कलाम अंसारी (18 वर्ष),शुभान रमजान अली अंसारी (4 वर्ष), शबीना रमजान अली अंसारी (28 वर्ष),परवीन अब्दुल कलाम अंसारी (19 वर्ष)के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। फायर विभाग और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची और युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

### खेल-खेल में जिन्दा दफन हुए मासूम

•मासूमों की कब्र बनी मिट्टी की सुरंग, तीन बच्चों की दर्दनाक मौत; एक दोस्त बाल-बाल बचा

**एजेंसी**

**सीकर।** सीकर के नेछ्वा थाना इलाके में खेलने के लिए बनाई गई मिट्टी की सुरंग ढहने से तीन मासूम दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। साथ में खेलने गया उनका चौथा दोस्त बाल-बाल बच गया, जिसकी चीख-पुकार से ही ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिल सकी। फिलहाल तीनों बच्चों के शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। घटना गनेड़ी गांव की है। यहां खेत में 3 से 4 फीट ऊंचे मिट्टी के टीले के नीचे बच्चों ने खेलने के लिए एक सुरंग बना रखी थी, जिससे वे एक तरफ से दूसरी तरफ आते-जाते थे। सुबह गांव के होलाश मेघवाल (10), नानूराम मेघवाल, गौतम सैनी (14) पुत्र रतनलाल सैनी, दीपेश नायक (12) पुत्र भंवरलाल नायक और कृष्ण वहां पहुंचे। कृष्ण सुरंग के बाहर ही था, जबकि बाकी तीनों अंदर चले गए। इसी दौरान अचानक मिट्टी ढह गई और होलाश, गौतम और दीपेश उसके नीचे दब गए। कृष्ण के भी पैर मिट्टी में दब गए थे, लेकिन उसने किसी तरह खुद को संभालते हुए अपने दोस्तों को निकालने की कोशिश की। जब वह सफल नहीं हो पाया तो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, जिससे आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

सूचना मिलते ही नेछ्वा पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से मिट्टी हटाकर बच्चों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद तीनों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए गए।

## राजनीतिक घमासानः अनुराग ढांडा के पनौती वाले बयान पर मचा बवाल

**महानगर मेट्रो**

**नई दिल्ली।** देश की राजनीति में शब्दों के बाण अब मयार्दा की सीमाएं लांघने लगे हैं। हाल ही में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता अनुराग ढांडा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। ढांडा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री के लिए 'पनौती' शब्द का इस्तेमाल करते हुए उन्हें देश के लिए अशुभ बताया।

**विवाद की मुख्य बातें**

**बयान का संदर्भः** अनुराग ढांडा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस/जनसभा के दौरान केंद्र सरकार की विफलताओं को गिनाते हुए कहा कि "मोदी जी देश के लिए पनौती साबित हो रहे हैं।"

**आप का तर्क** : ढांडा ने बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक फैसलों का हवाला देते हुए इस तीखे शब्द का प्रयोग किया।

भाजपा का पलटवारः भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि हार के डर से बौखलाई 'आप' अब गाली-गलौज की राजनीति पर उतर आई है।

**सियासी गलियारों में हलचल**

इस बयान के बाद सोशल मीडिया से लेकर टीवी डिबेट्स तक बहस छिड़ गई है। जहाँ एक तरफ विपक्षी दल इसे 'जनता की आवाज' का कड़वा लहजा बता रहे हैं, वहीं सत्तापक्ष इसे देश के सर्वोच्च पद का अपमान मान रहा है।

राजनीति में आलोचना नीतियों की होनी चाहिए, न कि व्यक्ति की गरिमा पर प्रहार। 'पनौती' जैसे शब्दों का प्रयोग राजनीतिक विमर्श के गिरते स्तर को दशार्ता है। – **राजनीतिक विश्लेषक**

**महानगर मेट्रो की नजर में**

चुनावों के नजदीक आते ही इस तरह की बयानबाजी तेज होना स्वाभाविक है, लेकिन जनता यह देख रही है कि असल मुद्दों (शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास) पर बात हो रही है या सिर्फ व्यक्तिगत छींटाकशी पर। क्या यह बयान आम आदमी पार्टी के लिए वोट बटोरने का जरिया बनेगा या भाजपा इसे 'अपमान' का मुद्दा बनाकर सहानुभूति हासिल करेगी? यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

## अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का फरार आरोपी गिरफ्तार

**महानगर मेट्रो**

**राजनांदगांव।** जिले की सोमनी पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 21 जुलाई 2025 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक टाटा ट्रक में अवैध रूप से गांजा छुपाकर उड़ीसा से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है, जो दुर्ग से राजनांदगांव जीई रोड होते हुए गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सोमनी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। मामले में पूर्व में थाना सोमनी में अपराध क्रमांक 154/2026, धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत दो आरोपियों—भरत कुमार सिंह (निवासी छपरा, बिहार) एवं पुरन लाल लड़िया उर्फ राजू (निवासी नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश, वर्तमान उड़ीसा)—को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। प्रकरण में फरार आरोपी पवन रात्रे उर्फ इमरान (निवासी जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़) की लगातार तलाश की जा रही थी। पुलिस ने आरोपी का पता लगाकर उसे हिरासत में लिया और पूछताछ के दौरान उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामला अजमानतीय होने के कारण आरोपी को न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उपेन्द्र शाह, उपनिरीक्षक बलदाऊ चन्द्राकर, प्रधान आरक्षक डूलेश्वर साहू, आरक्षक विनोद महिलागे एवं मनोज हरमुख का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

➤ समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।
➤ अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।
➤ समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो
पत्रव्यवहार
सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008
मो.: 9638877700,9662420070
mahanagarmetro7@gmail.com

# बोडकदेव का ब्लैक बॉक्सः खाकी की ढाल, जयपाल का जाल और तुषार का ब्लू साम्राज्य!

**महानगर मेट्रो**

**अहमदाबाद, (पवन माकन)।** शहर का सबसे वीआईपी इलाका बोडकदेव अब अपनी रईसी के लिए नहीं, बल्कि वर्दी वाले भ्रष्टाचार के लिए बदनाम हो रहा है। जिस इलाके में कानून का राज होना चाहिए था, वहां आज एक समानांतर सरकार चल रही है। इस काले साम्राज्य का बेताज बादशाह है—वहीवतदार जयपाल। सूत्र बताते हैं कि जयपाल ने खाकी की गरिमा को 'हफ्ते' की किश्तों में बेच दिया है।

**1. मेपल कंट्री रोड पर 'मयार्दा' का कत्लः ब्लू लग्जरियस स्पा**

थलतेज के मेपल कंट्री रोड पर स्थित ब्लू लग्जरियस स्पा आज चर्चा के केंद्र में है।

**मालिक तुषार का 'कच्चा चिट्ठा':** सूत्रों के अनुसार, यहाँ का मालिक तुषार स्पा की आड़ में हाई-प्रोफाइल देह व्यापार का सिंडिकेट चला रहा है।

**थाईलैंड कनेक्शनः** यहाँ विदेशी युवतियों, विशेषकर थाईलैंड से आई लड़कियों को 'टूरिस्ट वीजा' पर लाकर अवैध रूप से काम कराया जा रहा है।

खुला चैलेंजः पुलिस थाने के पास होने के बावजूद यहाँ सरेआम जिस्मफरोशी का धंधा 'जोरदार' तरीके से चालू है। क्या पुलिस की चुप्पी का दाम चुकाया जा चुका है?

**2. 'एक्यम स्पा': जहाँ कानून की 'बत्ती' गुल है**

एक्यम स्पा अब रिलैक्सेशन सेंटर नहीं, बल्कि अपराध का अड्डा बन चुका है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यहाँ रात होते ही रईसजादों और सट्टेबाजों का जमावड़ा लगता है। आखिर कौन है जो इन सेंटर्स को 'सेफ पैसेज' मुहैया करा रहा है?

**3. 'जयपाल' का आतंकः** पुलिस और अपराधियों के बीच का 'कलेक्शन एजेंट' बोडकदेव में बच्चा-बच्चा जानता है कि जयपाल कौन है। कहने को वह सिस्टम का हिस्सा है, लेकिन हकीकत में वह अपराधियों का 'अभयदान' है।

महीने का करोड़ों का टर्नओवरः क्रिकेट सट्टा, अवैध कॉल सेंटर और स्पा सेंटर्स से आने वाला 'हफ्ता' जयपाल के जरिए कथित तौर पर ऊपर तक पहुँचता है।

पीआई की बेबसी या मिलीभगत?: स्थानीय थाने के पीआई की खामोशी चीख-चीख कर कह रही है कि सिस्टम में 'वहीवतदार' का रसूख कानून से ऊपर हो चुका है।

**हॉट सवालः जवाब कौन देगा ?**

"क्या अहमदाबाद के पॉश इलाकों को इन अपराधियों के हवाले कर दिया गया है? क्या कमिश्नर साहब को पता है कि उनके मातहत एक 'जयपाल' अपनी खुद की समानांतर पुलिस चला रहा है?"

**एजेंसियां क्यों हैं मौन?**

**डीसीपी** : अपने ही इलाके में हो रहे इस नंगे नाच से अनजान क्यों हैं?

**पीसीबी और क्राइम ब्रांचः** क्या इनकी दबिश सिर्फ छोटे अपराधियों तक सीमित है? जयपाल और तुषार जैसे 'मगरमच्छों' पर जाल कब डलेगा?

**महानगर मेट्रो की चेतावनी**

बोडकदेव की जनता अब डर के साये में नहीं, बल्कि गुस्से में है। अगर मेपल कंट्री रोड के 'ब्लू लग्जरियस स्पा' और एक्यम जैसे अड्डों पर ताले नहीं लटके, और जयपाल जैसे बिचौलियों का हिसाब नहीं हुआ, तो यह चिंगारी जन-आंदोलन का रूप लेगी। वर्दी पर लगा यह दाग धोइये कमिश्नर साहब, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए!

**अगली कड़ी में पढ़ें:** कौन-कौन से सफेदपोश लोग 'जयपाल' के दरबार में हाजिरी लगाते हैं? और तुषार के स्पा में आने वाले वीआईपी चेहरों का खुलासा!

## धमाकाः अहमदाबाद के पॉश इलाकों में लूट की फैक्ट्रियां! कॉल सेंटर घोटाले के आरोपी और खाकी-खादी का अटूट गठजोड़!

**महानगर मेट्रो**

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद अब केवल हेरिटेज सिटी या व्यापार का केंद्र नहीं रहा, बल्कि अवैध कॉल सेंटरों का 'गढ़' बन चुका है। एस.जी. हाईवे, प्रहलाद नगर, बोडकदेव और सिंधुभवन जैसे पॉश इलाकों में आलीशान ऑफिसों की आड़ में विदेशी नागरिकों को लूटने का खेल दिन-रात चल रहा है। हाल ही में पकड़े गए आरोपियों के तार कहाँ जुड़े हैं, इसका चौंकाने वाला खुलासा महानगर मेट्रो कर रहा है।

**अहमदाबाद के किन इलाकों में है यह नेटवर्क?**

एस.जी. हाईवे और बोडकदेवः यहाँ बड़ी कॉर्पोरेट ऑफिसों में रात के समय अमेरिकी और कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाया जाता है। नवरंगपुरा और आश्रम रोडः पुरानी इमारतों में छोटे स्तर पर शुरू हुए सेंटर अब करोड़ों के टर्नओवर तक पहुँच गए हैं।

पूर्वी अहमदाबादः निकोल और ओढव जैसे इलाकों में भी अब यह दूषण फैल रहा है, जहाँ सस्ते मकानों और डेटा चोरी का काम आसानी से होता है।

**आरोपियों का 'सेफ पैसेज' मॉडल**

अहमदाबाद में पकड़े गए आरोपियों की **पूछताछ में जो विवरण सामने आए हैं, उनके अनुसार:**

1. वहीवटदारों की भूमिकाः प्रत्येक जोन में पुलिस स्टेशन स्तर पर 'वहीवटदार' तय होते हैं, जिन्हें हर महीने लाखों रुपये का 'हफ्ता' पहुँचाया जाता है। इस हफ्ते के बदले आरोपियों को छापेमारी की पहले ही जानकारी मिल जाती है।

**2. नेताओं का संरक्षणः** कई आरोपी स्थानीय पार्षदों या नेताओं के साथ करीबी संबंध रखते हैं। उनके कार्यक्रमों में फंड देकर या उनके साथ फोटो खिंचवाकर ये अपराधी समाज में 'प्रतिष्ठित' बनने का ढोंग करते हैं।

**3. किराए के ऑफिसों का रहस्यः** ये कॉल सेंटर अक्सर उन इमारतों में चलते हैं जिनके मालिक राजनीतिक प्रभाव रखते हैं। किराए के नाम पर काले धन को सफेद किया जाता है।

**महानगर मेट्रो के तीखे सवालः**

पुलिस कमिश्नर से सवालः अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और साइबर सेल की नाक के नीचे सालों तक ये सेंटर कैसे चलते रहे? क्या निचले स्तर पर होने वाले 'वहीवट' की जानकारी ऊपर तक नहीं है?

गृह विभाग से सवालः जब अमेरिकी एजेंसियां दबाव डालती हैं, तभी कार्रवाई क्यों होती है? स्थानीय स्तर पर स्वतः जांच क्यों नहीं की जाती?

आरोपी हर्षिल रावल और अन्यः क्या ये आरोपी सिर्फ मोहरे हैं? इनके पीछे बैठे असली 'किंगमेकर' नेताओं के खिलाफ कब एक्शन लिया जाएगा?

अहमदाबाद की जनता के लिए चेतावनीः अगर आपके घर या ऑफिस के आसपास कोई ऐसा ऑफिस है जहाँ केवल रात में ही हलचल रहती है और अनजान लोगों का आना-जाना ज्यादा है, तो सावधान हो जाएं। ये लुटेरे आपके शहर की साख को बट्टा लगा रहे हैं।

**महानगर मेट्रो की अपीलः** अगर आपके पास अहमदाबाद के किसी भी इलाके में चल रहे ऐसे अवैध कॉल सेंटर या उनके संचालकों के बारे में कोई भी सबूत है, तो हमसे सीधा संपर्क करें। हम आश्वासन देते हैं कि आपका नाम गुप्त रखा जाएगा और इस भ्रष्ट गठजोड़ को हम बेनकाब करेंगे।

## वादों की 'शब्दावली' और पुनर्जन्म का दांवः इस जन्म का हिसाब कब देगी सरकार ?

**महानगर मेट्रो**

**नई दिल्ली/कोलकाता।** देश की राजनीति में जब असल मुद्दे—जैसे कमरतोड़ महंगाई और रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी—जवाब मांगते हैं, तब अक्सर 'शब्द-जाल' का सहारा लिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाषण शैली इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के मालदा में एक रैली के दौरान उन्होंने भावुक कार्ड खेलते हुए कहा, "मुझे लगता है कि पिछले जन्म में मैं बंगाल में जन्मा था या अगले जन्म में बंगाल की ही किसी मां की कोख से जन्म लूंगा।" लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ जनता का प्यार है या गिरती साख को बचाने के लिए बुना गया एक काव्यात्मक जाल?

**भावुकता की आड़ में छिपे कड़वे सच**

प्रधानमंत्री की इस शब्द-रमत के पीछे कई गहरे राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक कारण नजर आते हैं:

**1. विफलताओं से ध्यान भटकानाः**

जब नेता के पास देने के लिए ठोस उपलब्धियां नहीं होतीं, तब वह 'काव्य' और 'कल्पना' पर उतर आता है। नारा दिया गया था कि "हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज में उड़ेगा," लेकिन हकीकत यह है कि आज आम आदमी के पैर में चप्पल भी सलामत नहीं बची है। जब जनता अपनी बदहाली पर सवाल करती है, तब उन्हें 'जन्म-जन्मांतर' के रिश्तों की दुहाई देकर शांत करने की कोशिश की जाती है।

**2. चतुर राजनीति और डबल इंजन का मोहः**

बंगाल में बीजेपी को सत्ता चाहिए, ताकि उनके 'कॉर्पोरेट मित्रों' की राह आसान हो सके। इस महत्वाकांक्षा को छिपाने के लिए "मैं तुम्हारा ही हूँ" जैसी बातें कही जाती हैं। टीएमसी को नीचा दिखाने और खुद को बंगाल का 'पुत्र' सिद्ध करने के लिए पुनर्जन्म जैसे अंधविश्वासों का सहारा लिया जाता है, क्योंकि हमारा समाज आज भी तर्कों से ज्यादा भावनाओं और कहानियों में बह जाता है।

**3. अंधविश्वास और चुनावी निवेशः**

भारत का एक बड़ा वर्ग आज भी पुनर्जन्म और कर्मों के फेर में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री इस नब्ज को बखूबी पहचानते हैं। जब वे कहते हैं कि "मुझे चौराहे पर सजा देना," तो वे जानते हैं कि अभेद्य सुरक्षा घेरे में रहने वाले नेता तक कोई चूं भी नहीं कर सकता। लेकिन यह संवाद जनता की तालियां बटोरने के लिए 'सुपरहिट' निवेश साबित होता है। जनता को यह सोचने की जरूरत है कि जो सत्ता इस जन्म की समस्याओं—जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार—का समाधान नहीं दे सकी, वह अगले जन्म में क्या उखाड़ लेगी? जिम्मेदारी से बचने के लिए बातें करना राजनीतिक कलाकारी है।

## साल्हेवारा के देवपुराघाट मे रुद्र महायज्ञ 9 अप्रेल से शुरू...!

**महानगर मेट्रो**

**साल्हेवारा।** खैरागड जिला अंतर्गत ग्राम साल्हेवारा से दो किलोमीटर पहले देवपुरा मे रुद्र महायज्ञ 9 अप्रैल 2026.से देवपुरा घाट साल्हेवारा,मे रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया जा रहा है ग्राम देवपुरा घाट में यज्ञ एवं शिव महापुराण 9 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक चलेगी, श्री शिव महापुराण कथा व्यास वेद विभूषण भागवत अलंकार भारत गौरव मोहन नारायण शास्त्री श्यामपुर कांपा बेमेतरा से होंगे यहां पूरे कार्यक्रम जनकल्याण विश्व कल्याण की मंगल कामना से किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन आवाहित देवी देवताओं का पूजन आराधना अभिषेक शिव सहस्त्रनाम अर्चना सुबह 8:00 बजे से पूजा प्रारंभ होगी दोपहर 1:00 बजे तक चलेगा 2:00 बजे से श्री शिव महापुराण कथा प्रतिदिन होगा जिसमें पार्थिव शिवलिंग पूजन अभिषेक रुद्राक्ष वितरण किया जाएगा।

## जिला कांग्रेस कमेटी में हनी ग्रेवाल को महामंत्री की जिम्मेदारी

**महानगर मेट्रो**

**राजनांदगांव।** जिला कांग्रेस कमेटी की नई बॉडी में कांग्रेस नेता हनी ग्रेवाल को महामंत्री नियुक्त किया गया है। जिला अध्यक्ष विपिन यादव ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। जिनकी सक्रियता को देखते हुए जिला संगठन ने उन्हें अहम जिम्मेदारी दी है। अपनी नियुक्ति को लेकर हनी ग्रेवाल ने संगठन के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया है। वहीं संगठन की मजबूती के लिए लगातार प्रयासरत रहने और जारी निदेर्शों के गंभीरता के साथ अमल करने की बात कही है। बधाई देने पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास वैष्णव पूर्व जनपद तुलादास साहू पूर्व जनपद सदस्य रोशनी वैष्णव सरपंच भानपुरी प्रभा दास वैष्णव सरपंच दिल्लू साहू ढोडिया उपसरपंच रानीतरई ओमप्रकाश साहू सरपंच प्रतिनिधि धामनसरा कृत लाल पटेल बूथ प्रभारी मलपुरी कुंदन चंद्राकर सेक्टर प्रभारी धर्मेन्द्र साहू युवा नेता मुकेश निरमकर सूर्या वैष्णव पूर्व पार्षद मनीष साहू पूर्व पार्षद महेश साहू सहित कांग्रेसी ने बधाई दी।

## पीएसआई के फ्लैट में आधी रात को फायरिंग, महिला मित्र और खुद अधिकारी घायल

**महानगर मेट्रो**

**राजकोट।** शहर के पॉश इलाके में स्थित एक फ्लैट में बीती रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक पुलिस उपनिरीक्षक की सर्विस रिवॉल्वर से अचानक फायरिंग हो गई। इस घटना में पीएसआई एन.के. पंड्या और उनके साथ मौजूद एक महिला मित्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

**कैसे हुई घटना?**

जानकारी के अनुसार, घटना देर रात की है जब पीएसआई एन.के. पंड्या अपने फ्लैट पर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि उनकी सर्विस रिवॉल्वर से अचानक गोली चल गई। घायल अधिकारीः गोली पीएसआई पंड्या के हाथ के आर-पार निकल गई। महिला मित्रः वही गोली वहां मौजूद उनकी महिला मित्र की कमर के हिस्से में जा लगी। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दोनों घायलों को तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार चल रहा है।

**पुलिस की कार्रवाई और सस्पेंस**

घटना की जानकारी मिलते ही शहर के आला अधिकारी और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस इस मामले में कई एंगल से जांच कर रही हैः हादसा या कुछ और? क्या गोली गलती से चली (मिसफायर) या इसके पीछे कोई विवाद था ? हथियार की जांचः सर्विस रिवॉल्वर को जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। बयान दर्जः पुलिस अस्पताल में घायलों की स्थिति स्थिर होने का इंतजार कर रही है ताकि उनके आधिकारिक बयान लिए जा सकें। हम मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। प्रथम दृष्टया यह हथियार की साफ-सफाई या देखरेख के दौरान हुई दुर्घटना लग रही है, लेकिन सटीक कारणों का पता जांच के बाद ही चलेगा।" – **पुलिस अधिकारी, राजकोट**

**शहर में चर्चा का विषय**

एक पुलिस अधिकारी के घर पर आधी रात को हुई इस फायरिंग

ने शहर में कई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। विशेष रूप से महिला मित्र की उपस्थिति और फायरिंग की परिस्थितियों को लेकर पुलिस विभाग में भी हड़कंप मचा हुआ है।

# लोकमंडई में सियासी 'विभीषण'! नेता पर भीतरघात के आरोप

**महानगर मेट्रो**

**राजनांदगांव।** गौरतलब है कि डोंगरगांव ब्लॉक के तुमडीबोड में लोकमडई आयोजन किया जा रहा जो अब विवाद की भेंट चढ़ते जा रहा है उसमें एक नेता की नेता की बेहद चर्चा में है। उनके लिए मायने सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत स्वार्थ मायने रखती है उसने इस बात को भी संभव कर दिखाया कि सांप और नेवला भी एक हो सकते हैं गौरतलब है की 2 साल पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ खुलकर बगावत करने वाले इस नेता ने पार्टी प्रत्याशी को गर्त में डालने का भरसक प्रयास किया यही कारण की पार्टी प्रत्याशी महज कुछ ही मतों से चुनाव हार गए इसके पहले पाठकों को बता दे कि जब पूर्व में कांग्रेस की सरकार थी तब यही विभीषण नेता स्थानीय विधायक से सांठगांठ कर करोड़ों रुपए के ठेके अपने अंदर में हथिया लिए थे कभी ऐसा आपने सुना है कि सरकार आपकी हो और काम तुम्हारा हो ऐसा पॉसिबल जब होता है जब दोनों में आपसी कुछ संधि हो या गठबंधन हो ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि पार्टी विद डिफरेंट की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी छोटे-मोटे कार्यकताओं को पदाधिकारी को अनुशासनहीनता के आरोप में निष्कासित या बर्खास्त करती है लेकिन स प्रमाण मौजूद होने के बावजूद भी इस विभीषण पर आखिर हाथ क्यों नहीं डाला जा रहा है बड़ा सवाल है लेकिन जवाब सरकार आने के 2 साल बाद भी अब तक जनता को नहीं मिल पा रहा है। जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब भाजपा के उक्त कथित नेता की जबरदस्त ठेकेदारी चलती थी यह बात हंड्रेड परसेंट प्रमाणित है और आपने अपने लेख में भी स्पष्ट किया है पुर्व में हमने इस बात को कई बार इंगित किया है उसके बावजूद भी इस मसले पर किसी भी भाजपा नेता ने प्रतिक्रिया नहीं दी दूसरी ओर विधानसभा चुनाव में जबरदस्त भीतर घात की शिकायत सप्रमाण उच्च स्तर तक भी गई है उसके बावजूद भी उक्त विभीषण नेता पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है यह बड़ा रहस्यमय चीज है कि आखिर उक्त नेता ने कहीं बड़े नेताओं के रहस्य को अपने अंदर तो नहीं समेट लिए हुए हैं।

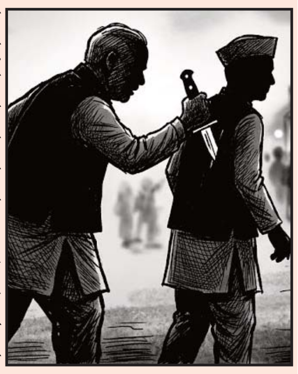

# लोक मंडई मेले में सख्ती: शराबी चालक, चाकूबाज पर कार्रवाई, व्यवस्था दुरुस्त

**महानगर मेट्रो**

**राजनांदगांव।** ग्राम तुमडीबोड़ में आयोजित तीन दिवसीय लोक मंडाई एंव कृषी मेला के दौरान पुलिस चौकी तुमडीबोड़ द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के दिशा-निर्देश में पुलिस चौकी प्रभारी तुमडीबोड, निरीक्षक दिलीप कुमार पटेल द्वारा मेला स्थल तुमडीबोड़-डोंगरगढ़ रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान 02 कार एवं 02 मोटरसाइकिल चालकों को अत्यधिक शराब सेवन कर वाहन चलाते पाए जाने पर उनके वाहन जप्त कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई। साथ ही ग्रामीणो को नशे में वाहन न चलाने के संबंध में जागरूक किया गया। मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात राजनादगांव पुलिस बल ने अचानक हुई बारिश के दौरान अफरा तफरी से भीड़ में अपने परिजनों से बिछड़े 07 बच्चों को पुलिस ने सुरक्षित परिवार वालो का पता तलाश कर उनके परिजनों से मिलाया, जिससे परिजनों में राहत एवं खुशी का माहौल बना। इसी दौरान मेला स्थल में एक व्यक्ति द्वारा चाकू लेकर लोगों को भयभीत करने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जिनेन्द्र पाल पिता जयपाल कोरे उम्र 22 वर्ष साकिन तुमडीबोड़ रामनगर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू, (जिसकी कुल लंबाई 30.4 से.मी. फल 19.4 से.मी. एवं मूठ 11 से.मी.) बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना चौकी तुमडीबोड़ में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत विधिवत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मड़ाई मेला दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु अपराधियों पर राजनांदगांव पुलिस को शक्त नजर रखी गई है।

# मतदाताओं के नामों को हटा दिया गया: तृणमूल को खोने की संभावना कितनी वास्तविक है?

**महानगर मेट्रो**

**कोलकत्ता,( रफीक अनवर )।** पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर विवाद तेज हो गया है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनावी नुकसान पहुंचा सकता है या यह महज एक प्रशासनिक प्रक्रिया है। वास्तविकता यह है कि मतदाता सूची से नाम हटना सीधे वोट कम होना नहीं है, बल्कि संभावित मतदाताओं का मतदान से बाहर हो जाना है। इसका असर खासतौर पर उन सीटों पर पड़ सकता है जहां मुकाबला बेहद करीबी हो, क्योंकि थोड़े वोट भी परिणाम बदल सकते हैं।

टीएमसी की ताकत उसका मजबूत जमीनी संगठन और सामाजिक योजनाओं के जरिए मतदाताओं से जुड़ाव है। ऐसे में, कुछ नाम हटने के बावजूद पार्टी अपने संगठन के दम पर मतदान प्रतिशत (टर्नआउट) को बनाए रख सकती है। इसलिए यह उसके लिए चुनौती तो है, लेकिन निर्णायक खतरा नहीं। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे को प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल उठाने के लिए इस्तेमाल कर सकती है। खासकर शहरी और अस्थिर (स्विंग) मतदाताओं के बीच इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है। सबसे ज्यादा असर उन्हीं सीटों पर होगा जहां जीत का अंतर बहुत कम होता है। हालांकि, अकेले यह मुद्दा पूरे राज्य के चुनावी परिणाम तय नहीं कर सकता, क्योंकि चुनाव कई का-रकों—उम्मीदवार, स्थानीय मुद्दे, संगठन और रणनीति—पर निर्भर करता है। आगामी चुनावों से पहले विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया को लेकर आरोप हैं कि बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। यह विवाद कुछ परिस्थितियों में राजनीतिक समीकरण बदल सकता है:

1. **फर्जी मतदाताओं की सफाई की धारणा** : यदि यह स्थापित होता है कि एसआईआर के जरिए अवैध या फर्जी नाम हटाए जा रहे हैं, तो विपक्ष—खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों (उत्तर व दक्षिण 24 परगना, नादिया, मालदा, मुर्शिदाबाद) में—राजनीतिक लाभ उठा सकता है। इससे टीएमसी के वोट बैंक पर दबाव पड़ सकता है।

2. **वास्तविक मतदाताओं के हटने की धारणा** : अगर लोगों को लगता है कि वैध मतदाताओं को हटाया जा रहा है, तो टीएमसी ह्यपीड़ितह्न की छवि बनाकर अल्पसंख्यक, गरीब और हाशिए के वर्गों में समर्थन मजबूत कर सकती है।

3. **शहरी प्रतिक्रिया:** कोलकाता, हावड़ा, आसनसोल जैसे शहरों में बड़ी विसंगतियां सामने आने पर मध्यम वर्ग में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी बढ़ सकती है, जिससे परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।

4. ग्रामीण प्रभाव : जंगलमहल और उत्तर बंगाल के कुछ क्षेत्रों में दस्तावेजों की कमी से नाम छूटने पर यह बड़ा मुद्दा नहीं बनता। यहाँ मजबूत संगठन वाली पार्टी को फायदा मिल सकता है।

5. ध्रुवीकरण की संभावना : यदि यह मुद्दा धर्म, पहचान या नागरिकता से जुड़ता है, तो मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर जैसे क्षेत्रों में ध्रुवीकरण बढ़ सकता है, जिससे टीएमसी और भाजपा को लाभ, जबकि छोटे दलों को नुकसान हो सकता है।

6.न्यायिक हस्तक्षेप: अदालत के हस्तक्षेप या पुनः सत्यापन के आदेश से राजनीतिक समीकरण जटिल हो सकते हैं और प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठ सकते हैं।

**इस पूरे विवाद के केंद्र में तीन प्रमुख कारक हैं:**

**धारणा** : जनता क्या मानती है

**क्षेत्रीय प्रभाव:** किन इलाकों में असर

**संगठन क्षमता:** पार्टियां मतदाताओं को कितना मोबलाइज कर पाती हैं

मतदाता सूची विवाद चुनाव को अधिक प्रतिस्पर्धी और संवेदनशील बना सकता है, खासकर करीबी मुकाबले वाली सीटों पर। लेकिन यह अकेले किसी पार्टी की जीत या हार तय करने वाला निर्णायक कारक नहीं है—बल्कि यह कई अन्य कारकों के साथ मिलकर परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

# गैंदाटोला में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 सम्पन्न

**महानगर मेट्रो**

**छुरिया।** पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गैंदाटोला भाजपा मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू ने कार्यक्रम में पधारे सभी वक्ताओं एवं कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण महाभियान कार्यकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा, जिसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की विचारधारा, एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के सिद्धांतों को समझने और उन्हें जमीनी स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। खिलेश्वर साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमेशा संगठन की शक्ति को कार्यकताओं के समर्पण से जोड़ा और आज का यह आयोजन उसी भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने मंडल के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकताओं को भी बधाई देते हुए कहा कि उनकी दिन-रात की मेहनत और समर्पण के कारण ही यह कार्यक्रम सफल हो पाया है। अंत में उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पंडित जी की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा कार्यों को आगे बढ़ाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

# RBSE 12वीं परिणाम में सेंट सोल्जर का जलवा

## 17 से अधिक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत+ और 35 से अधिक ने 80 प्रतिशत+ अंक हासिल कर रचा सफलता का इतिहास

**महानगर मेट्रो**

**टोंक, (पीयूष गौत्तम)।** राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं के परिणाम में टोंक स्थित सेंट सोल्जर शिक्षा समिति के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस वर्ष विद्यालय के 17 छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की, जबकि 35 से अधिक विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर गौरव बढ़ाया। कला वर्ग में सुमन मीणा (95.40 प्रतिशत) ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उनके साथ मानसी बैरवा (95 प्रतिशत), केशव चौपड़ा (94.2 प्रतिशत), शिवानी चौधरी (94 प्रतिशत), शिवानी मीणा (93.4 प्रतिशत), शिवानी नागर (91.80 प्रतिशत) और नीतू जाट (91.4 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं विज्ञान वर्ग में मोनिका मीणा (93.80 प्रतिशत), तिया अग्रवाल (93.40 प्रतिशत), खुशी खंगार (93 प्रतिशत), अदिति धाकड़ (92.40 प्रतिशत), नेहा अलवीरा (91 प्रतिशत), आरव जैन (91 प्रतिशत) और युवराज शर्मा (91 प्रतिशत) ने बेहतरीन अंक प्राप्त किए। विद्यालय की छात्रा वर्ग की प्रधानाचार्या मंजू माथुर और छात्र वर्ग के प्रधानाचार्य मदन गोपाल शर्मा ने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताते हुए कहा कि सेंट सोल्जर शिक्षा समिति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। विद्यालय के इस शानदार परिणाम के बाद पूरे परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल है। शिक्षकों एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों को बधाई देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

**टॉपर्स को मिला था सफलता का मंत्र**

कला वर्ग की टॉपर सुमन मीणा (95.40 प्रतिशत) ने बताया कि हम रोज लिख-लिखकर उत्तर लेखन का अभ्यास करते थे। मंजू मेम सामने बैठकर हमें उत्तर लिखवाती थीं, जिससे हमारी स्पीड और प्रेजेंटेशन दोनों बेहतर हुए। परीक्षा में वही अभ्यास काम आया। अन्य छात्राओं ने भी बताया कि लगातार लिखने के अभ्यास और शिक्षकों के मार्गदर्शन से आत्मविश्वास बढ़ा।

**मोटिवेशन और सही गाइडेंस से मिला शानदार रिजल्ट**

94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले केशव चौपड़ा ने कहा कि एम.जी. सर हमें लगातार मोटिवेट करते थे। उन्होंने हमें कभी हार मानने नहीं दी। शिक्षकों ने परीक्षा पैटर्न को बहुत बेहतर तरीके से समझाया, जिससे हमें पता था कि कैसे और क्या लिखना है। छात्रों ने बताया कि कॉन्सेप्ट क्लियर करने के साथ-साथ एग्जाम ओरिएंटेड तैयारी ने अच्छे अंक दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

# शिव पब्लिक स्कूल की छात्रा स्वाति गौतम ने 12वीं में हासिल किए 99 प्रतिशत अंक, रचा इतिहास

- स्वाति को मिलेगी स्विफ्ट डिजायर

**महानगर मेट्रो**

**टोंक, (पीयूष गौत्तम)।** राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम में सरोली स्थित शिव पब्लिक स्कूल ने अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए टोंक जिले में नया इतिहास रच दिया। विद्यालय की छात्रा स्वाति गौतम ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अब तक के जिले के इतिहास में सर्वाधिक अंक लाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने स्वाति गौतम को स्विफ्ट डिजायर कार देने की घोषणा की है। कक्षा 12वीं के परिणाम में विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। प्रमुख विद्यार्थियों में अरविंद चौधरी (97.60 प्रतिशत), अभिषेक चौधरी (96.80 प्रतिशत), मानसी मीणा (96.60 प्रतिशत), हिमांशु शर्मा (96.40 प्रतिशत), अमन चौधरी (96.40 प्रतिशत), गोविंद गुर्जर (95.20 प्रतिशत), प्रिया यादव (95 प्रतिशत), मानसी जायसवाल (94.80 प्रतिशत), नरेंद्र सिंह सोलंकी (94.20 प्रतिशत), मीनाक्षी यादव (93.40 प्रतिशत), जितेंद्र योगी (93.20 प्रतिशत), अस्मिता चौधरी (93.20 प्रतिशत), मनीष कीर (92.80 प्रतिशत), कुलदीप मीणा (92.20 प्रतिशत), सांवरा माली (92.20 प्रतिशत), पूजा मेहरा (91.80 प्रतिशत), कोमल जाट (91.80 प्रतिशत), खुशी स्वर्णकार (91.20 प्रतिशत), नीतू माली (91 प्रतिशत), मोहित सिंह मीणा (90.80 प्रतिशत), संदीप चौधरी (90.60 प्रतिशत), शुभम मेहरा (90.60 प्रतिशत) एवं अविनाश शर्मा (90 प्रतिशत) शामिल रहे।

**कक्षा 10 में भी टॉप, स्कूटी-लैपटॉप का इनाम**

विद्यालय के प्रबंध निदेशक पवन माहेश्वरी ने बताया कि कक्षा 10वीं में भी विद्यालय की छात्रा अक्षरा गुर्जर ने 98.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर छात्रा को विद्यालय द्वारा स्कूटी और लैपटॉप प्रदान किया जाएगा। अन्य मेधावी विद्यार्थियों में लक्की मीणा (96.17 प्रतिशत), जितेंद्र बैरवा (96 प्रतिशत), हिमांशु चौधरी (95.50 प्रतिशत), अक्षय चौधरी (95.50 प्रतिशत), लक्की बराला (95.17 प्रतिशत) और अजय जाट (95 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

**हर कक्षा में शानदार रिजल्ट**

विद्यालय ने 5वीं और 8वीं बोर्ड में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहां 82 विद्यार्थियों ने अ ग्रेड प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य घासी लाल बलाई ने बताया कि पूर्व में भी विद्यालय की छात्राएं सिमरन, निकिता और अनादी जैन पद्माक्षी अवार्ड में चयनित होकर जिले का नाम रोशन कर चुकी हैं। चयनित छात्राओं को सरकार की ओर से एक लाख रुपये नकद और स्कूटी दी जाएगी।

**सम्मान और इनामों की घोषणा**

प्रधानाध्यापक भंवर लाल गुर्जर ने बताया कि इस वर्ष शानदार परिणाम पर विद्यालय परिवार गौरवान्वित है।

**विजय उत्सव में–**

98 प्रतिशत+ अंक पाने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी, मोटरसाइकिल व लैपटॉप

97 प्रतिशत पर मोटरसाइकिल/स्कूटी

95 प्रतिशत पर लैपटॉप तथा 5वीं व 8वीं में अ ग्रेड पर रेंजर साइकिल देकर सम्मानित किया जाएगा। कक्षा 10 प्रभारी शंकर बराला ने बताया कि इस बार 92 विद्यार्थियों का चयन गार्गी पुरस्कार में हुआ है।

**जश्न का माहौल**

इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में जश्न का माहौल रहा। शिवजीलाल चौधरी ने विद्यार्थियों का मुंह मीठा कराकर उन्हें बधाई दी और आतिशबाजी के साथ खुशी का इजहार किया गया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिव पब्लिक शिक्षा समिति, सरोली ने इस सफलता को विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

**मेष** ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी।

**वृष** TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)
वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा।

**मिथुन** GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा)
जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे।सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा।

**कर्क** CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी।

**सिंह** LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है।पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे।

**कन्या** VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा।

**तुला** LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं।नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी।

**वृश्चिक** SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है।काम में नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी।

**धनु** SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे।जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें।

**मकर** CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

**कुंभ** AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा)
आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।काम में सफलता मिलेगी।

**मीन** PISCES (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है।

# माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

**माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा।**

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

## संपादकीय

### मां-बाप की कद्र कानूनी बाध्यता

वैसे तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिये शर्मनाक है कि जन्म देकर पालन-पोषण करने वाले मां-बाप की जीवन की सांझ में बेकद्री की जाए। फिर गुजारे भत्ते के लिये कानून-प्रशासन से मांग करनी पड़े। लेकिन यह मौजूदा समय की हकीकत है कि ऐसे किस्से गाहे-बगाहे सुनने को मिलते हैं। सही मायनों में बुढ़ापा अपने आप में बड़ी चुनौती है, जब शरीर की क्षमताओं का ह्रास होने लगता है और आय के स्त्रोत लगभग खत्म होने लगते हैं। सेवानिवृत्ति की जमा-पूंजी बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। उन लोगों की स्थिति तो और दुखद हो जाती है जो निजी क्षेत्र या किसी प्राइवेट काम-धंधे में लगे रहते हैं। उन्हें तो पेंशन भी नहीं मिलती। वहीं धीरे-धीरे अक्षम होता शरीर उम्रदराज होने पर लगने वाली बीमारियों का घर बन जाता है। ऐसे स्थिति में अपने जब मां-बाप की देखभाल न करें तो यह एक सामाजिक अपराध ही कहा जाएगा। जाहिर है, जब खून के रिश्ते साथ न दें तो कानून ही अंतिम सहारा रह जाता है। इस दिशा में तेलंगाना विधानसभा में पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 पूरे देश के बुजुर्गों के लिये एक नई उम्मीद जगाता है। इस राज्य की विधानसभा ने बीते रविवार वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित किया। निस्संदेह, देश में पहले से एक राष्ट्रीय कानून 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन नये विधेयक का दायरा विस्तृत है। जो पहले कानून की कुछ विसंगतियों को दूर करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के नये विधेयक के दायरे में जनप्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। यह विधेयक जन प्रतिनिधियों, सरकारी व निजी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य रूप से बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना सुनिश्चित करता है। तेलंगाना विधानसभा में पारित यह विधेयक यकीनी बनाता है कि यदि बच्चे मां-बाप की देखभाल नहीं करते तो उनके वेतन से पंद्रह फीसदी या दस हजार रुपये, जो भी कम है, शिकायत मिलने पर माता-पिता को देय राशि के रूप में काटे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अपनी चल-अचल संपत्ति बेटे के नाम करने वाले मशहूर कारोबारी विजयपत सिंघानिया की बेदखली का एक मामला चर्चा में आया था। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा और देश में प्रभावी कानून बनाए जाने की चर्चा तेज हुई थी। यह सुखद ही है कि तेलंगाना सरकार ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यह पहल की। सरकार का कथन है कि समाज में नैतिक दायित्वों को बढ़ावा देना इस विधेयक का मकसद है। यदि बच्चे अपना दायित्व नहीं निभाते तो कानून के जरिये उन्हें इसके लिये बाध्य किया जा सकेगा।

## चिंतन-मनन

### अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

# मूर्ख दिवसः हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

योगेश कुमार गोयल

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व है मूर्ख दिवस....

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

# भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

संजय गोस्वामी

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।' अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम'राक्षसान्तक' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मयार्दा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मयार्दा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मयार्दा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,'मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।'

## मेरठ में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, WhatsApp में लड़कियों की फोटो भेज बुलाते थे ग्राहक

महानगर मेट्रो

**मेरठ।** मेरठ में पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है. मामले में 3 युवतियों समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में हुए खुलासे से पुलिस भी दंग रह गई. मेरठ के दिल्ली रोड पर स्थित एक ब्यूटी पार्लर में चल रहे जिस्मफरोशी के धंधे का एएचटीयू और टीपी नगर पुलिस ने पदार्फाश किया है. टीम ने छापा मार कर यहां के मैनेजर और 3 युवतियों के साथ दो ग्राहकों को भी गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि 2 वर्षों से यह धंधा चल रहा था. यहां दिल्ली से विदेशी लड़कियों को भी बुलाया जाता था.

जानकारी के अनुसार सोमवार को दिल्ली रोड पर शारदा पैलेस के पास एक परिसर में एचडीएफसी बैंक के ऊपर मंजिल में यूनीक ब्यूटी पार्लर है. पुलिस को सूचना मिली कि यहां पिछले 2 साल से जिस्मफरोशी का धंधा किया जा रहा है. शिकायत मिलने के बाद एसपी सिटी ने एएचटीयू की टीम को साथ और सीओ ब्रह्मपुरी व टीपी नगर पुलिस को लगाकर छापेमारी कराई.

इस कार्रवाई में तीन महिला और दो ग्राहकों को पकड़ा गया. साथ ही इस केंद्र के मैनेजर सोनू को भी हिरासत में लिया गया. जांच में पता चला है कि एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया था. ग्राहकों को इस पर लड़कियों के फोटो भेजे जाते थे. पुलिस ग्रुप से जुड़े ग्राहकों की जानकारी जुटा रही है. फिलहाल इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है.

**आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस**

मेरठ के एसपी सिटी आयुष विक्रम ने बताया कि थाना टीपी नगर क्षेत्र में एक यूनीक ब्यूटी सैलून है. वहां पर अनैतिक कार्य होने की सूचना प्राप्त हुई थी. सूचना पर सीओ ब्रह्मपुरी के निर्देशन में छापेमारी की गई थी. जिसमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष को गिरफ्तार किया गया है. पूछताछ में अनैतिक कार्य करना कबूला गया है.

मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी मिली है. जिसको सीज कर दिया गया है. जो तीन लोग गिरफ्तार किए गए हैं. उनको न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जाएगी.दिल्ली रोड पर शारदा पैलेस के पास एक परिसर में एचडीएफसी बैंक के ऊपर मंजिल में यूनीक ब्यूटी पार्लर है. पुलिस को सूचना मिली कि यहां पिछले 2 साल से जिस्मफरोशी का धंधा किया जा रहा है.

## जहांगीरपुरी में हनुमान जन्मोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

महानगर मेट्रो

**नई दिल्ली।** दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जन्मोत्सव मौके पर प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है. लंबे वक्त से रुकी हुई शोभायात्रा को न केवल हरी झंडी मिल गई है, बल्कि इसके रूट का विस्तार कर अब इसे 2 किलोमीटर लंबा कर दिया गया है.दिल्ली प्रशासन ने जहांगीरपुरी इलाके में 2 अप्रैल 2026 को होने वाले हनुमान जन्मोत्सव के लिए शोभायात्रा के रूट को बढ़ाकर 2 किलोमीटर कर दिया है. यह भव्य शोभायात्रा पीएस महेंद्र पार्क क्षेत्र के जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर शाह आलम बंद रोड पर खत्म होगी. लंबे वक्त से लंबित इस यात्रा को आखिरकार अनुमति मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं.

पूरे रूट पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलग-अलग सुरक्षा यूनिट्स की लगभग 10 कंपनियां तैनात रहेंगी. प्रशासन का अहम मकसद इस धार्मिक आयोजन को पूरी तरह सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करवाना है. पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन ने रूट का मुआयना करके संवेदनशील पॉइंट्स पर सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की योजना बनाई है. शोभायात्रा के दौरान यातायात और क्राउड मैनेजमेंट के लिए भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं.

हनुमान जन्मोत्सव की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने पूरे रूट को छावनी में तब्दील करने की तैयारी की है. सुरक्षा बलों की 10 कंपनियां चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगी, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके. पुलिस अधिकारियों ने शांति समितियों के साथ बैठक कर स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है और अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी है.अधिक चाक-चौबंद है. प्रशासन और पुलिस की विभिन्न टीमें 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम कर रही हैं. 2022 में दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जयंती के दिन हिंसा की घटना सामने आई थी, जिसने पूरे देश का ध्यान खींचा था. यह घटना 16 अप्रैल 2022 को उस वक्त हुई, जब इलाके में शोभायात्रा निकाली जा रही थी. अचानक दो समुदायों के बीच विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया.इस झड़प में कई लोग घायल हुए. हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को बड़ी संख्या में फोर्स तैनात करनी पड़ी और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति को काबू में लाया गया.

# यूपी में आज से कई नियमों में बदलाव

## हाइवे पर यात्रा महंगी,ओला-उबर का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

महानगर मेट्रो

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश में कई नियमों में नए वित्तीय वर्ष 2026-27 से बदलाव होने जा रहा है। आम लोगों की जेब पर भी इन नियमों का असर पड़ने वाला है। प्रदेश के हाइवे पर चलना अब महंगा होने वाला है। वहीं, प्रॉपर्टी रजिस्ट्री भी महंगी होने वाली है। इस पर दो फीसदी अतिरिक्त विकास शुल्क अदा करना होगा। टोल प्लाजा पर कैश भुगतान को भी पूरी तरह से बंद किए जाने का फैसला लिया गया है। किसानों के लिए नए साल में राहत की खबर है। गेहूं की एमएसपी पर बढ़ोत्तरी का लाभ नए साल में बिक्री करने वाले किसानों को मिलेगा। नए साल में कई बैंक एटीएम विड्रावल को लेकर नियमों में बदलाव करने जा रहे हैं। बैंकों ने यूपीआई पेमेंट को भी एटीएम विड्रावल से जोड़ने के नियम बनाए हैं। एनएचएआई की ओर से सालाना टोल टैक्स रिवीजन के क्रम में टैक्स दरों में वृद्धि का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के सभी हाइवे पर टोल दरें पांच से 45 रुपये तक महंगी हो गई है। साथ ही, एनएचएआई की ओर से फास्टैग के सालाना

पास की फीस 3000 से बढ़ाकर 3075 रुपये कर दी गई है। टोल प्लाजा पर कैश भुगतान को बंद कर फास्टैग या यूपीआई भुगतान ही मान्य होगा।

प्रदेश में ओला-उबर जैसी कंपनियों को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन के बाद यह निर्णय हुआ है। पांच साल बाद रजिस्ट्रेशन का रिन्यूअल कराना अनिवार्य होगा। साथ ही, ओला-उबर जैसी सेवाओं के मामले में अब बुकिंग कैंसिल करने पर ड्राइवर और यात्री दोनों पर 10 फीसदी का जुमार्ना लगेगा। इन सेवाओं को देने वाले ड्राइवर का पुलिस वैरिफिकेशन, मेडिकल टेस्ट और फिटनेस टेस्ट कराना भी अनिवार्य किया गया है।

प्रदेश में जमीन विवाद से जुड़े मामलों को लेकर कई नियमों में बदलाव किया गया है। प्रॉपर्टी बेचने वाले की पहचान का रिकॉर्ड अब खतौनी यानी लैंड रिकॉर्ड से क्रॉस-चेक होगा। स्टांप निबंधन विभाग प्रॉपर्टी के 'मालिकाना हक' की जांच करेगा। स्टांप शुल्क को लेकर निर्णय लिया गया है कि अब यह सर्किल रेट के आधार पर निर्धारित होगा।

नगर निगम सीमा में प्रॉपर्टी रजिस्ट्री पर दो फीसदी अतिरिक्त डेवलपमेंट शुल्क देना होगा। स्लॉट बुक कर रजिस्ट्री होगी। इसके लिए एक घंटे का समय दिया जाएगा। निर्धारित समय में ही रजिस्ट्री करानी होगी। अगर निर्धारित समय में रजिस्ट्री नहीं कराई तो नया स्लॉट बुक करना पड़ेगा।राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में गेहूं खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में 160 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीद मूल्य अब बढ़ाकर 2585 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। इसके अलावा किसानों को गेहूं की उतराई, छनाई और सफाई के लिए 20 रुपये प्रति क्विंटल अलग से दिया जाएगा।

# दिल्ली में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा अधिकारी

महानगर मेट्रो

**नई दिल्ली ।** दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जांच एजेंसी ने एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से सरकारी तंत्र में ह-ड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, शाहदरा नॉर्थ जोन में तैनात डिप्टी कमिश्नर अभिषेक कुमार मिश्रा को 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। आरोप है कि वह अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध लाभ लेने में शामिल थे।

बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले की शुरूआत एक शिकायत से हुई थी, जिसमें अधिकारी पर रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप लगाए गए थे। शिकायत मिलने के बाद जांच एजेंसी ने पूरी योजना के तहत जाल बिछाया और ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया।

कार्रवाई के दौरान आरोपी अधिकारी को रिश्वत लेते समय रंगे हाथ पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी से पहले एजेंसी ने पर्याप्त साक्ष्य जुटाए थे, जिससे मामला और मजबूत हो गया।

गिरफ्तारी के बाद अधिकारी से गहन पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में कोई और अधिकारी या बड़ा नेटवर्क शामिल तो नहीं है।

इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और पूरे मामले की गहराई से जांच जारी रहेगी।स कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और पूरे मामले की गहराई से जांच जारी रहेगी।

# महोबा में विभाग की बड़ी लापरवाही: मृत सहायिका को भेजा ड्यूटी नोटिस

महानगर मेट्रो

**महोबा।** महोबा में बाल विकास विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 18 महीने पहले मृत हो चुकी आंगनबाड़ी सहायिका को ड्यूटी से गैरहाजिर बताकर कारण बताओ नोटिस भेज दिया गया।मामला पनवाड़ी विकास खंड के नैपुरा गांव का है। मृत सहायिका पार्वती देवी आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत थीं। उनके पति किशनलाल के अनुसार बीमारी के चलते करीब डेढ़ साल पहले ही उनका निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि पत्नी की मृत्यु के आठ दिन के भीतर ही मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित विभाग में जमा कर दिया गया था, ताकि सरकारी अभिलेख अपडेट हो सकें।इसके बावजूद बाल विकास विभाग ने पार्वती देवी के नाम नोटिस जारी कर दिया।

नोटिस में कहा गया कि निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिला और सहायिका अनुपस्थित पाई गईं, जिसके चलते योजनाओं का सत्यापन नहीं हो सका।नोटिस में यह भी आरोप लगाए गए कि पोषण से जुड़ी योजनाओं का कार्य पूरा नहीं किया गया, प्रचार-प्रसार नहीं हुआ और सहायिका गांव में निवास नहीं कर रही थीं। इतना ही नहीं, विभाग ने दो दिन के भीतर जवाब देने का अल्टीमेटम भी दिया और चेतावनी दी कि जवाब न मिलने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी।यह नोटिस सामने आने के बाद मृतका के परिजन स्तब्ध हैं। उनका कहना है कि जब मृत्यु प्रमाण पत्र पहले ही जमा कराया जा चुका है, तो फिर इस तरह का नोटिस कैसे जारी हो गया।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है और विभाग की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं। परिजनों ने इस मामले की शिकायत जिला प्रशासन से करने की बात कही है।वहीं अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

की जाएगी। यह घटना सरकारी व्यवस्था की लापरवाही को उजागर करती है, जहां रिकॉर्ड अपडेट न होने के कारण ऐसी गंभीर चूक सामने आई है।पत्नी की मृत्यु के आठ दिन के भीतर ही मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित विभाग में जमा कर दिया गया था, ताकि सरकारी अभिलेख अपडेट हो सकें।इसके बावजूद बाल विकास विभाग ने पार्वती देवी के नाम नोटिस जारी कर दिया।

नोटिस में कहा गया कि निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिला और सहायिका अनुपस्थित पाई गईं, जिसके चलते योजनाओं का सत्यापन नहीं हो सका।नोटिस में यह भी आरोप लगाए गए कि पोषण से जुड़ी योजनाओं का कार्य पूरा नहीं किया गया, प्रचार-प्रसार हैं। उनका कहना है कि जब मृत्यु प्रमाण पत्र पहले ही जमा कराया जा चुका है, तो फिर इस तरह का नोटिस कैसे जारी हो गया।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है और विभाग की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं।

परिजनों ने इस मामले की शिकायत जिला प्रशासन से करने की बात कही है।वहीं अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।यह घटना सरकारी व्यवस्था की लापरवाही को उजागर करती है, जहां रिकॉर्ड अपडेट न होने के कारण ऐसी गंभीर चूक सामने आई है।

### कानपुर में ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप, विरोध करने पर मारपीट और बंद कमरे में प्रताड़ना

## तंत्र-मंत्र के नाम पर बहू से अत्याचारः दहेज की मांग संग जबरन अपमान

महानगर मेट्रो

**कानपुर।** कानपुर में एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष पर तंत्र-मंत्र के नाम पर प्रताड़ना, जबरदस्ती और दहेज मांगने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महिला का आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल में आधी रात को तंत्र-मंत्र की पूजा कराई जाती थी। उसे बताया गया कि इसी पूजा से परिवार को धन-संपत्ति मिली है और इसमें शामिल होने के लिए अजीब नियम मानने होंगे। जब उसने इसका विरोध किया तो पति और ससुर ने जबरदस्ती की और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। पीड़िता के अनुसार विरोध करने पर उसे कमरे में बंद कर दिया गया

और मारपीट की गई। इतना ही नहीं, उस पर दो करोड़ रुपये और एक किलो सोना लाने का दबाव भी बनाया गया। महिला का कहना है कि यह घटनाएं एक बार नहीं, बल्कि कई बार दोहराई गईं।

उसने अपने पति पर भी साथ न देने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पति हमेशा परिवार का पक्ष लेते रहे और उसे ही दोषी ठहराते थे। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर वह जनवरी 2025 में मायके लौट आई और परिजनों को पूरी घटना बताई। परिजनों की शिकायत पर महिला थाने में पति, सास, ससुर समेत अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्य के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।सभी आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्य के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

# डेढ़ साल की बेटी के सामने मां की हत्या

महानगर मेट

**दिल्ली।** दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर इलाके में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी. सबसे बड़ी बात जिस वक्त उसने हत्या को अंजाम दिया, उस वक्त उसकी बेटी मौजूद थी. हत्या के बाद आरोपी पति मौके से भागा भी नहीं और अपनी बेटी को गोद में लेकर बैठा रहा.पुल प्रह्लादपुर इलाके से रिश्तों से भरोसा उठने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. जहां एक पति ने अपने पत्नी के सिर पर सिलेंडर से वार कर मौत के घाट उतार दिया. इस वारदात को उस समय अंजाम दिया गया, जब मृतक महिला की डेढ़ साल की बेटी मौके पर मौजूद थी. फिलहाल पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है. मृतक महिला की पहचान पूनम के रूप में हुई है. जबकि आरोपी पति की पहचान सुरेश के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक दोनों की शादी 2020 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं. एक चार साल की बेटी और एक डेढ़ साल की. वारदात के समय डेढ़ साल की बच्ची दोनों के साथ थी. हत्या को डीडीए फ्लैट इलाके के एक फ्लैट में अंजाम दिया गया. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है पड़ोसियों ने बताया कि इलाके के डीडीए फ्लैट के एक फ्लैट में पति-पत्नी अपनी 2 बच्चियों के साथ रहते थे. पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर रविवार को झगड़ा हुआ और इसी दौरान गुस्से में पति ने खाना बनाने वाला छोटा सिलेंडर उठाकर अपनी पत्नी पर ताबड़तोड़ वार करने लगा. जिस समय पति इस वारदात को अंजाम दे रहा था, उस समय उसकी डेढ़ साल की बेटी भी वहीं मौजूद थी. बेटी अपनी मां को बचाने के लिए बचाओ-बचाओ की आवाज लगा रही थी.पत्नी की हत्या के बाद बेटी को गोद में लेकर बैठा था आरोपी पतिबच्ची की आवाज सुनकर पड़ोसी फ्लैट के दरवाजे तक पहुंचे और जब दर-वाजा खुलवाया तो देखा कि पत्नी जमीन पर गिरी पड़ी है. जबकि पति अपने गोद में बेटी लिया हुआ है. जिसके बाद लोगों ने पति को पकड़ा और पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है. पुलिस ने बताया कि एक पति ने अपनी बेटी के सामने सिलेंडर से मारकर पत्नी की हत्या कर दी.

# टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस की सियासत में एंट्री, बीजेपी में शामिल होकर बढ़ाई हलचल

# बंगाल चुनाव से पहले बड़ा कदम, पहले तृणमूल से जुड़ चुके पेस अब बदले खेमे

महानगर मेट्रो

। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव से पहले बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय टेनिस जगत के दिग्गज लिएंडर पेस ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। उनके इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनावों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।मंगलवार 31 मार्च को कोलकाता में उन्होंने औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इससे पहले उनकी मुलाकात पार्टी नेतृत्व से हुई थी, जिसके बाद से ही उनके बीजेपी में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई थी।

लिएंडर पेस के इस कदम की खास बात इस-की टाइमिंग है। चुनावी माहौल के बीच उनका पार्टी में आना बीजेपी के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहले पेस साल 2021 में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे और 2022 में गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार भी किया था। हालांकि उन्होंने खुद कभी चुनाव नहीं लड़ा।बीजेपी में शामिल होने के बाद पेस ने कहा कि उनका बंगाल से गहरा जुड़ाव है, क्योंकि उनकी मां यहीं की रहने वाली हैं। उन्होंने राज्य में खेल सुविधाओं को मजबूत

करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि बच्चों को बेहतर अवसर देने के लिए खेल ढांचे को विकसित करना जरूरी है।उन्होंने यह भी कहा कि खेलों में समान अवसर और सम्मान जरूरी है। उदाहरण देते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ियों को मिलने वाली समान इनामी राशि का जिक्र किया और भारत में भी खेलों को आगे बढ़ाने की बात कही।पार्टी नेताओं ने भी पेस के शामिल होने का स्वागत किया। उनका मानना है कि पेस जैसे बड़े खिलाड़ी का साथ मिलने से पार्टी को मजबूती मिलेगी और युवाओं के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, बंगाल की राजनीति में मशहूर हस्तियों का प्रभाव महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में पेस का बीजेपी में शामिल होना चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि यह अभी साफ नहीं है कि पेस चुनाव लड़ेंगे या नहीं, लेकिन उनके इस कदम ने सियासी माहौल को जरूर गरमा दिया है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनका यह फैसला चुनावी नतीजों पर कितना असर डालता है।आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनका यह फैसला चुनावी नतीजों पर कितना असर डालता है।

CMYK

## बाबा विश्वनाथ की शरण में सीएम मोहन यादव अधिकारियों से समझा कॉरिडोर का भीड़ प्रबंधन

**महानगर मेट्रो**

**भोपाल** । एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव 31 मार्च को वाराणसी पहुंचे। यहां मोहन यादव ने बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन किए और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने यहां क्राउड फ्लो डिजाइन, इंफ्रास्ट्रक्चर, तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरि-डोर भीड़ प्रबंधन प्रजेंटेशन देखा है। इसके बाद सीएम ने मंदिर परिसर में ही अधिकारियों के साथ बैठक की है। इस दौरान मंदिर प्रबंधन से जुड़ीं कई अहम जानकारियां भी लीं।

एमपी और यूपी के बीच संबंध करना है मजबूत

वहीं, सीएम मोहन यादव की यात्रा मकसद है कि यूपी और एमपी के बीच संबंध और मजबूत हो। इसके साथ ही सीएम ने मां गंगा के कई तटों का अवलोकन भी किया। उन्होंने गंगा की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के साथ संवाद भी किया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का प्रबंधन बहुत अच्छा लगा। इसकी श-रूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। उसके साथ ही, यहां के निवासियों ने इस निर्णय को स्वीकार बड़ा योगदान दिया। पूरे विश्व की भगवान शंकर पर आस्था है।

**लघु उद्योगों पर फोकस**

मोहन यादव ने कहा कि ओडीओपी को लेकर उत्तर प्रदेश में बहुत अच्छा काम हुआ है। सीएम योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम का इसमें बड़ा योगदान है। हमारी सरकार भी इस पर बड़ा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम इस पर चर्चा करेंगे कि दोनों राज्यों के बीच क्या बेहतर हो सकता है। हम धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ लघु उद्योगों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में बनारसी साड़ी की विरासत रही है, उसी तरह मध्यप्रदेश में चंदेरी, महेश्वरी साड़ी सहित लघु उद्योगों पर काम हो रहा है।

सिंहस्थ में हम चाहते हैं ऐसा ही प्रबंधन

सीएम मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर में भीड़ प्रबंधन हो रहा है, उसी तरह का प्रबंधन हम सिंहस्थ में भी चाहते हैं। हमारा दौरा उसी की जानकारी लेने और योजना बनाने के लिए है। सभी राज्यों में बेहतर धार्मिक पर्यटन की व्यवस्था हो, धार्मिक पर्यटन से लोगों की जिंदगी में बदलाव आए, इस पर विचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महाकाल लोक बनने के बाद पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था बदल गई है। इसी तरह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद यहां भी बदलाव आया है। सभी लोगों को साथ मिलाकर विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हम बाबा महाकाल और काशी विश्वनाथ को लेकर योजनाओं-जानकारियों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके लिए हम एमओयू भी साइन करेंगे। हम प्रयास करेंगे कि दर्शन के लिए जनता को बेहतर से बेहतर सुविधा मिले। यहां हाल ही में प्रयागराज कुंभ हुआ है और उज्जैन में सिंहस्थ होने वाला है। ऐसे में सुगमता बनी रहे, सारी व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए हमने प्रजेंटेंशन भी देखा।

गरीबों की जिंदगी हो बेहतर

उन्होंने कहा कि मैं यहां एक और कारण से भी आया हूं। दोनों राज्यों के युवाओं को रोजगार मिले, गरीबों की जिंदगी बेहतर हो, उत्पादों

## भारी ओलावृष्टि से सफेद हुआ पुणे,मौसम विशेषज्ञों ने सतर्क रहने की हिदायत दी

**महानगर मेट्रो**

**पुणे** । पुणे सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में सोमवार को अचानक भारी बारिश और ओलावृष्टि ने सब कुछ अस्त-व्यस्त कर दिया. मौसम विज्ञानियों के अनुसार इस अप्रत्याशित बदलाव के पीछे अरब सागर से आने वाली नमी और निचले वायुमंडल में अस्थिरता मुख्य कारण हैं. बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में अचानक गिरावट आई, जिससे लोगों को बढ़ती गर्मी से कुछ राहत मिली.

विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी भारत में बदलती वायुमंडलीय परिस्थितियां और नमी का प्रवाह इस मौसम की अस्थिरता के लिए जिम्मेदार हैं. पुणे और आसपास के पश्चिमी घाटों में बादल छाए हुए हैं और दिनभर छिटपुट बारिश की संभावना है. बता दें कि ओलावृष्टि तब होती है जब गरज वाले बादलों में तेज हवाएं बारिश की बूंदों को ऊंची और ठंडी परतों में ले जाती हैं, जहां ये जमकर ओलों के रूप में गिरती हैं. यह प्रक्रिया खासतौर पर मॉनसून से पहले के मौसम में अधिक देखने को मिलती है.राज्यभर में आने वाले दिनों में बारिश की तीव्रता धीरे-धीरे बढ़ सकती है और मुंबई सहित अन्य शहरों में सप्ताह के मध्य तक बारिश होने की संभावना जताई जा रही है. तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जलभराव और यातायात में देरी जैसी परेशानियों का खतरा बढ़ सकता है.मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्थिति देश के विभिन्न हिस्सों में कई प्रणालियों के एक साथ सक्रिय होने के कारण बनी है. निवासियों को मौसम पूवार्नुमानों पर ध्यान देने और तूफान के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी जा रही है.उत्तरी भारत में भी मौसम अस्थिर बना हुआ है. दिल्ली में हल्की बारिश दर्ज की गई और मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इस अलर्ट में धूल भरी आंधी, गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है.

### कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने कहा- इससे महिलाएं सशक्त नहीं हो रहीं

# फ्रीबीज योजनाएं बंद हो,यह हानिकारक है

**महानगर मेट्रो**

**भोपाल** । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में तीन राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन चल रहा है। इस सम्मेलन में एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायक आए हुए हैं। एमपी कांग्रेस के युवा विधायक हेमंत कटारे ने इस सम्मेलन में अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए फ्रीबीज योजनाएं ठीक नहीं हैं। उनके खाते में पैसे डालने से वह सशक्त नहीं हो रही हैं।जनप्रतिनिधि होने के बाद हम बहुत कमजोर हो जाते हैं

कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने कहा कि हम जनप्रतिनिधि होने के बाद बहुत कमजोर हो जाते हैं। लेकिन पूरे देश के लिए हम एक बात कहना चाहेंगे। हम

कई बार बोलने से पहले यह सोचते हैं कि ऐसा कह दिया तो ये और वो वर्ग नाराज हो जाएगा। मैंने ऐसा बोल दिया तो महिलाएं नाराज हो जाएंगी। अगर हम नाराजगी से घबराते रहें तो देश की सेवा कब करेंगे।पूरे देश में बंद हो फ्री बीज की योजनाएंवहीं, हेमंत कटारे ने कहा कि जितनी भी फ्रीबीज योजनाएं हैं, ये बंद होनी चाहिए। मैं यहां भी कह रहा हूं और यहां से बाहर भी कहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं जो कहता हूं, उससे मुकरता नहीं हूं। हम कहते हैं कि महिलाओं के खाते में रुपए डालकर उन्हें सशक्त बना रहे हैं। आप कैसे सशक्त बना रहे हैं। आप उनकी खातों में 10000 रुपए डालकर कह रहे हैं कि वो सशक्त हैं। वो सशक्त नहीं हैं।अगर आपको महिलाओं को सशक्त बनाना है तो आप उन्हें पैसे मत दीजिए। भारत की हर महिला के अंदर काबिलियत है। उसका आप उपयोग करेंगे तो वह सशक्त हो जाएंगी। आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है। हम अगर सीधे पैसे देने लगेंगे तो वह काम क्यों करेगी। अगर कोई गरीब है तो हम उसकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करें।

हेमंत कटारे मध्य प्रदेश कांग्रेस के युवा विधायक हैं वह विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष थे कुछ दिन पहले कटारे ने अपने पद से दे दिया था इस्तीफा

## स्कूल से छात्रा को उठाता,होटल में करता दुष्कर्म...

**महानगर मेट्रो**

**नागपुर** । नागपुर में एक स्कूली छात्रा से रेप का मामला सामने आया है. मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी छात्रा को स्कूल गेट से उठा लेता था और होटल में ले जाकर दुष्कर्म करता था.

पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती की फिर आठवीं की छात्रा को स्कूल से ले जाकर कई बार होटल में किया दुष्कर्म. ये मामला महाराष्ट्र के नागपुर का है. जहां कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली 13 वर्षीय छात्रा की एक लड़के से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई. फिर उसी दोस्त ने नाबालिग छात्रा को अपने प्रेम जाल में ऐसे फंसा लिया कि छात्रा स्कूल में जाने के बजाय आरोपी संग घूमने-फिरने के नाम पर होटल पहुंच जाती थी. जहां आरोपी लड़की के साथ दुष्कर्म करता था. दरअसल ये पूरा मामला नागपुर के सदर थाना के अंतर्गत का है. इस मामले का आरोपी करण केशव केसी है. आरोपी नाबालिग छात्रा को लेकर एक होटल में ले आता था और उसके साथ दुष्कर्म करता था. करण से पीड़ित छात्रा की

मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी. इसके बाद आरोपी 18 मार्च को लड़की के स्कूल के पास पहुंचा. उसने लड़की को स्कूल जाने की बजाय उसके साथ चलने का पहले ही बता चूका था.ऐसे में तय योजना के तहत सुबह 7 बजे करण लड़की को स्कूल के सामने से दोपहिया पर बिठाकर एक शौचालय में ले गया. वहां लड़की ने स्कूल यूनिफॉर्म बदली. इसके बाद करण उसे फ्रेंड्स कॉलोनी की सिल्वर सूट्स होटल में ले गया. उसे पता था कि लड़की के नाबालिग होने से उसे कमरा हासिल करने में परेशानी हो सकती है. ऐसे में उसने उसकी जगह पर दूसरी युवती का आधार कार्ड भी रख लिया था.ऐसे गिरफ्तार हुआ लड़का होटल में कमरा लेने के बाद उसने छात्रा से दुष्कर्म किया. हालांकि, इसके बाद वह फिर 27 मार्च को लड़की के स्कूल पहुंचा. फिर लड़की का यूनिफॉर्म बदलवाया और होटल में ले जाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए. करण के झांसे में आने से लड़की स्कूल नहीं जा रही थी. ऐसे में स्कूल वालों ने लड़की की मां को मैसेज भेजा और उसके स्कूल नहीं आने का कारण भी पूछा.जिसे बाद मां ने बेटी को भरोसे में लेकर पूछताछ की. तब उसने पूरी बात बताई. जिसके बाद उसकी मां ने सदर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने रेप व पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर करण को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच की जा रही है.जिसके बाद उसकी मां ने सदर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने रेप व पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर करण को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है

## एक ही व्यक्ति की फोटो लगाकर 84 सिम कार्ड बेचने वाला गिरफ्तार

### पुलिस ने धोखाधड़ी और पहचान चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू

**महानगर मेट्रो**

**देवास** । देवास में पुलिस ने एक एजेंट को गिरफ्तार किया, जिसने एक ही फोटो से 84 फर्जी सिम कार्ड जारी किए. आरोपी अबरार उर्फ अरबाज उर्फ अब्दुल ने एजेंटों की मदद से यह धोखाधड़ी की. जांच में केवल 16 सिम के दस्तावेज मिले. मामला 'ऑपरेशन ऋअ.उ.ए.' के तहत सामने आया. पुलिस ने धोखाधड़ी और पहचान चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू की है और सिम विक्रेताओं को सख्त चेतावनी दी है.मध्य प्रदेश के देवास जिले में पुलिस ने एक बड़े फजीर्वाड़े का खुलासा करते हुए दूरसंचार कंपनियों के एक एजेंट को गिरफ्तार किया है. आरोपी पर एक ही फोटो का इस्तेमाल कर अलग-अलग लोगों के नाम पर 84 सिम कार्ड जारी करने का आरोप है. कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अबरार उर्फ अरबाज उर्फ अब्दुल के रूप में हुई है. वह दूरसंचार कंपनियों के लिए एजेंट के तौर पर काम करता था. पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने एक ही फोटो का उपयोग कर कई लोगों के नाम पर सिम कार्ड जारी किए और इस तरीके से अवैध लाभ कमाया. इस मामले में उसके साथ कुछ अन्य लोगों की संलिप्तता की भी आशंका जताई जा रही है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे गिरोह की जांच जारी है.16 ग्राहकों के आवेदन फॉर्म मिलेभोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित 'ऑपरेशन F.A.C.'के.तहत देवास पुलिस ने एक बड़े फर्जी सिम कार्ड मामले का पदार्फाश किया है. अबरार देवास जिले के सोनकच्छ थाना क्षेत्र के गंधर्वपुरी का रहने वाला है. पुलिस के अनुसार, उसने खुद और कुछ पॉइंट ऑफ सेल एजेंटों की मिलीभगत से यह फजीर्वाड़ा किया. हैरानी की बात यह है कि इन 84 सिम कार्डों में से सिर्फ 16 ही ग्राहक आवेदन फॉर्म उपलब्ध हो पाए हैं.पुलिस की पड़ताल में यह भी सामने आया कि आरोपी ने 8 सिम कार्ड खुद सत्यापित कर जारी किए, जबकि 8 अन्य सिम कार्ड एजेंटों के जरिए जारी कराए गए, जिनमें भी उसकी ही तस्वीर का इस्तेमाल हुआ.इस मामले में कोतवाली थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और दूरसंचार से जुड़े कानूनों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है. पुलिस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि इन फर्जी सिम कार्डों का इस्तेमाल किन गतिविधियों में किया जा रहा है.देवास पुलिस ने सिम विक्रेताओं से कार्रवाई की जाएगी.

## अल्ट्रासाउंड ने दिखाए दो, जन्मे तीन इंदौर में अनोखा मामला,

**महानगर मेट्रो**

**इंदौर।** इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में चिकित्सा जगत को चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 27 वर्षीय महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया, जबकि जांच रिपोर्ट में केवल दो बच्चों की ही जानकारी मिली थी।

यह अनोखा प्रसव कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में हुआ। डॉक्टरों के अनुसार, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में दो बच्चों की पुष्टि हुई थी, जिससे चिकित्सा टीम उसी के अनुसार तैयार थी। लेकिन प्रसव के दौरान स्थिति अचानक बदल गई।

महिला ने पहले दो बेटियों को जन्म दिया। इसके बाद डॉक्टरों को अनुभव हुआ कि गर्भ में अभी एक और शिशु मौजूद है। तुरंत सतर्कता बरतते हुए टीम ने स्थिति संभाली और कुछ ही देर में महिला ने एक बेटे को भी जन्म दिया। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से डॉक्टर भी हैरान रह गए।

जानकारी के अनुसार, महिला पीथमपुर क्षेत्र की निवासी है और यह उसका दूसरा प्रसव था। तीनों बच्चे समय से पहले जन्मे हैं, जिनका वजन करीब डेढ़ से दो किलोग्राम के बीच बताया जा रहा है। फिलहाल सभी नवजातों को विशेष देखभाल में रखा गया है।

डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के मामलों में जोखिम काफी ज्यादा होता है, खासकर तब जब पहले से पूरी जानकारी उपलब्ध न हो। बावजूद इसके, चिकित्सा टीम की तत्परता और सूझबूझ के चलते प्रसव सुरक्षित तरीके से पूरा कराया गया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, जच्चा और तीनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं और लगातार उनकी निगरानी की जा रही है।

यह मामला चिकित्सा क्षेत्र में एक दुर्लभ उदाहरण बन गया है, जहां रिपोर्ट और वास्तविकता में अंतर के बावजूद डॉक्टरों ने समय रहते स्थिति को संभालकर एक बड़ी सफलता हासिल की।डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के मामलों में जोखिम काफी ज्यादा होता है, खासकर तब जब पहले से पूरी जानकारी उपलब्ध न हो। बावजूद इसके, चिकित्सा टीम की तत्परता और सूझबूझ के चलते प्रसव सुरक्षित तरीके से पूरा कराया गया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, जच्चा और तीनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं और लगातार उनकी निगरानी की जा रही है।

## हाईकोर्ट से शिंदे गुट के विधायक को झटका, गलत हलफनामे पर चलेगा मुकदमा

**महानगर मेट्रो**

**मुंबई** । बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने शिंदे गुट के विधायक अमोल खताल को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनके द्वारा दायर वह अर्जी खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दाखिल चुनाव याचिका को रद्द करने की मांग की थी। अब इस मामले में ट्रायल जारी रहेगा।

यह याचिका कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अमोल खताल ने चुनावी हलफनामे में अपनी आय और बकाया कर की सही जानकारी नहीं दी।थोराट के अनुसार, खताल ह्यनीलकमलह्ण नाम की

एक फर्म से जुड़े हुए हैं, जिस पर कर बकाया है। आरोप है कि खताल ने अपने हलफनामे में स-रकारी बकाया शून्य बताया, जबकि वास्तव में हजारों रुपये का बकाया मौजूद है।वहीं, खताल ने अपने बचाव में कहा कि वह अब उस फर्म से जुड़े नहीं हैं और फर्म भंग हो चुकी है। लेकिन कोर्ट ने इस दलील को इस चरण में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है और इसकी विस्तृत जांच जरूरी है।कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह मामला जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत आता है, जिसके आधार पर चुनाव को अमान्य घोषित किया जा सकता है।अब इस मामले की अगली सुनवाई 7 मई को होगी। इस फैसले के बाद खताल की विधायकी पर खतरा मंडराने लगा है और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। इस फैसले के बाद खताल की विधायकी पर खतरा मंडराने लगा है और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

### पुल-सड़क निर्माण के लिए हुआ फैसला,

## कराड-चिपलून हाईवे पर 2 महीने के लिए भारी वाहनों पर प्रतिबंध

**महानगर मेट्रो**

**मुंबई।** कराड-चिपलून नेशनल हाईवे को लेकर बड़ी खबर आई है। कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्रों को जोड़ने वाले इस हाईवे पर भारी वाहनों की आवाजाही को दो महीने की अवधि के लिए पूरी तरह से रोक दिया गया है। हालांकि इस दौरान हल्के वाहन इस हाईवे पर चलते रहेंगे। यह ट्रैफिक डायवर्जन 27 मई तक लागू रहेगा। सतारा जिले के पुलिस अधीक्षक तुषार दोषी ने लोगों से अपील की है कि वे ट्रैफिक मार्गों में इन बदलावों पर ध्यान दें और पुलिस अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करें।

**60 दिनों तक चलेगा काम**

कराड-चिपलून नेशनल हाईवे पाटन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र से होकर गुजरता है। इस पर पाटन शहर में धांडे पुल के पुनर्निर्माण और स्थानीय बाजार क्षेत्र के भीतर सड़क पर कंक्रीट-टंग के काम को पूरा करने के लिए 60 दिनों की अवधि की जरूरत है। नतीजतन काम पूरा होने तक इस मार्ग पर ट्रैफिक को वैकल्पिक रास्तों पर मोड़ दिया गया है।सतारा जिला प्रशासन ने इस मामले के संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। ट्रैफिक के सुचारू आवागमन और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए उन खास जगहों पर पुलिस कर्मियों

को तैनात किया गया है जहां ट्रैफिक को मोड़ा जा रहा है। सतारा जिले के पुलिस अधीक्षक तुषार दोषी ने जनता से अपील की है कि वे ट्रैफिक मार्गों में इन बदलावों पर ध्यान दें और पुलिस अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करें।**संशोधित ट्रैफिक रूट इस प्रकार हैं:**- कराड और उमराज की तरफ से चिपलून की ओर जाने वाले भारी वाहन नेशनल हाईवे नंबर 04 के रास्ते आगे बढ़ेंगे। वे पाचवड फाटा, उंडाले, कोकरुड, मलकापुर, अंबा घाट और संगमेश्वर से होते हुए चिपलून पहुंचेंगे।- चिपलून से कराड और उमराज की ओर जाने वाले भारी वाहन संगमेश्वर, अंबा घाट, मलकापुर, कोकरुड, उंडाले और पाचवड फाटा (नेशनल हाईवे नंबर 04 पर) के रास्ते कराड और उमराज की ओर आगे बढ़ेंगे।- कराड और उमराज की तरफ से चिपलून की ओर जाने वाले सभी हल्के वाहन नवरस्ता, गव्हाणवाड़ी फाटा और नेराले गोंड के रास्ते आगे बढ़ेंगे और मुख्य कराड-चिपलून हाईवे पर चलते हुए चिपलून पहुंचेंगे।- चिपलून से कराड और उमराज की ओर जाने वाले सभी हल्के वाहन नेराले गोंड, गव्हाणवाड़ी फाटा और नवरस्ता के रास्ते कराड और उमराज की ओर आगे बढ़ेंगे।- चिपलून से कराड और उमराज की ओर जाने वाले भारी वाहन संगमेश्वर, अंबा घाट, मलकापुर, कोकरुड, उंडाले और पाचवड फाटा (नेशनल हाईवे नंबर 04 पर) के रास्ते कराड और उमराज की ओर आगे बढ़ेंगे। कराड और उमराज की तरफ से चिपलून की ओर जाने वाले सभी हल्के वाहन नवरस्ता, गव्हाणवाड़ी फाटा और नेराले गोंड के रास्ते आगे बढ़ेंगे और मुख्य कराड-चिपलून हाईवे पर चलते हुए चिपलून पहुंचेंगे।

- चिपलून से कराड और उमराज की ओर जाने वाले सभी हल्के वाहन नेराले गोंड, गव्हाणवाड़ी फाटा और नवरस्ता के रास्ते कराड और उमराज की ओर आगे बढ़ेंगे।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

# बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

# इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

**इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।**

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिंस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी बतौर मेकअप आर्टिंस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिंस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

## मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिंस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिंस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

## ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

## हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिंस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिंस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

## नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

# इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

## आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

## आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

## आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

## अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

## वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

**एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।**

# एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

## विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

## बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है।

ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

## ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

## लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

## (नई दिल्ली) एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया - भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर

मंगलवार को जारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर है और छोट अवधि का ऋण विदेशी मुद्रा भंडार के 20 प्रतिशत के बराबर है, जिससे रुपए को सहारा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पर्याप्त जगह मिलती है। हालांकि, रिसर्च फर्म ने चेतावनी दी कि अस्थिर पूंजी प्रवाह और तेल की ऊंची कीमतें निकट भविष्य के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं और तेल विपणन कंपनियों के लिए 250-300 मिलियन डॉलर की दैनिक मांग को पूरा करने के लिए एक विशेष डॉलर विंडो सहित कई नीतिगत उपायों का आग्रह किया।

रिपोर्ट में कहा गया, इससे वास्तविक विदेशी मुद्रा की मांग और आपूर्ति की गतिशीलता पर बेहतर स्पष्टता प्राप्त होगी और अनावश्यक अस्थिरता को रोकने के लिए नियामक द्वारा शुरू किए गए विभिन्न उपायों की प्रभावशीलता को मापने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि केवल ट्रेडिंग बुक पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा लगाई जानी चाहिए, न कि पूरे बैंक बुक स्तर पर, क्योंकि इससे परिचालन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं।

इसमें अल्पकालिक यील्ड बढ़ाने और दीर्घकालिक यील्ड घटाने के लिए ऑपरेशन ट्विस्ट का सुझाव दिया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विभिन्न संदर्भ दरें निर्धारित सीमा के भीतर रहें और नीतिगत दर के अनुरूप हों।

केंद्रीय बैंक ने रुपए को सहारा देने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन फर्म ने बाहरी बाजारों से मांग वाली मुद्राओं को लाकर और वैकल्पिक तंत्रों (जैसे ओएमसी के लिए एक विशेष यूएसडी विंडो) को शामिल करके हस्तक्षेपों में तेजी लाने का आग्रह किया है, क्योंकि रुपए में गिरावट देश के मैक्रो फंडामेंटल्स से काफी अधिक है।

## कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार

**नई दिल्ली ।**

कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है। सप्लाई में बाधा के कारण बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई,

जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक उछाल है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 58 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधा कीमतों को और ऊँचा रख सकती है।

## सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस एसएमई का आईपीओ अगले सप्ताह खुलेगा

**- 75 से 80 रुपये में मिलेंगे शेयर, जानें तारीख और**

**अन्य डिटेल**

**मुंबई ।**

इस सप्ताह कोई नया आईपीओ लॉन्च नहीं हो रहा है, लेकिन अगले सप्ताह अप्रैल माह का पहला एसएमई आईपीओ एसएमई सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिसाइस के सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होगा। यह इश्यू कंपनी का फ्रेश इश्यू है, यानी आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के बिजनेस विस्तार में लगेगी। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 48 करोड़ रुपये जुटाएगी। प्राइस बैंड 75 से 80 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कुल 60 लाख शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ 6 अप्रैल को खुलकर 8 अप्रैल तक निवेशकों के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट में 1,600 शेयर रखे गए हैं, जिसकी लागत करीब 2,56,000 रुपए है। एचएनआई निवेशकों के लिए कम से कम 3 लॉट यानी 4,800 शेयर खरीदना आवश्यक होगा, जिसकी कुल लागत लगभग 3,84,000 रुपए है। इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर सेक्टर में संभावित ग्रोथ को देखते हुए, यह आईपीओ निवेशकों के लिए एक संभावित अवसर पेश कर सकता है। फ्रेश इश्यू होने के कारण, जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के व्यवसाय में निवेश होगी। हालांकि, रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश काफी बड़ा है, इसलिए निवेश से पहले पूंजी योजना और जोखिम को ध्यान में रखना आवश्यक है।

## डंकिन के साथ 'फ्रेंचाइजी' समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवर्क्स

**नई दिल्ली ।**

देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी कॉफी और डोनट ब्रांड डंकिन के साथ अपने फ्रेंचाइजी समझौते को नवीनीकृत न करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 24 फरवरी 2011 को किए गए मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट की अवधि 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। जेएफएल ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से स्टोर्स बंद करने या संचालन में बदलाव करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसमें परिसंपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, या फ्रेंचाइजी अधिकारों का हस्तांतरण शामिल हो सकता है। सभी कदम डंकिन के मालिकों के परामर्श और कानूनी व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे। जुबिलेंट फूडवर्क्स के 3,500 से अधिक स्टोर्स भारत और पांच अन्य देशों में हैं। समूह के पोर्टफोलियो में डोमिनोज़ पिज़्ज़ा, पोपायज़ और तुर्की में होंग्स किचन तथा कैफे-कोफी ब्रांड शामिल हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम जेएफएल की वैश्विक रणनीति और प्रमुख ब्रांडों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में है।

# मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

**नई दिल्ली ।**

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने` मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे बेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के तेल ठिकानों पर हमले की चेतावनी ने बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। आईएमएफ ने कहा है कि संकट सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों से फर्टिलाइजर सप्लाई में रुकावट और महंगे ईंधन के कारण कृषि लागत बढ़ेगी। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, खासकर उन देशों में जहाँ परिवार अपनी आय का लगभग 36 फीसदी भोजन पर खर्च करते हैं। अगर संघर्ष लंबा

खिंचता है, तो दुनिया को स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास धीमा होता है। इससे कर्ज महंगा होगा और वैश्विक आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। तेल आयातक बड़े देश जैसे भारत और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं, जो बाहरी कच्चे माल पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होंगी। आईएमएफ का कहना है कि असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह तनाव कितने समय तक चलता है।

## सत्या ने 600 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया दस्तावेज

**नई दिल्ली ।**

तमिलनाडु स्थित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और टिकाऊ वस्तुओं की खुदरा कंपनी सत्या एजेंसीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए कुल 600 करोड़ रुपये जुटाना है। दस्तावेजों के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 600 करोड़ रुपए का है। इसमें 300 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से जुटाए जाएंगे और 300 करोड़ रुपए शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) से आएंगे। इस तरह कुल निर्गम का आकार 600 करोड़ रुपए का होगा। कंपनी ने कहा है कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ मौजूदा ऋणों का भुगतान या पूर्व भुगतान करने, अपनी अनुषंगी कंपनी यूनिलेट अप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आंशिक राशि का भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सत्या एजेंसीज लिमिटेड की स्थापना 2005 में हुई थी। यह कंपनी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक्स के खुदरा व्यवसाय में सक्रिय है। यह आईपीओ कंपनी के विस्तार और वित्तीय स्थिति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स ने केडब्ल्यूआईएल में 61.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

## – नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ के शेयर खरीदे

**नई दिल्ली।**

द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी नीदरलैंड्स बीवी ने क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल) में 61.9 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने 30 मार्च 2026 को शेयर बाजार को सूचित किया कि नए प्रवर्तक ने शेयर खरीद समझौते और अन्य लागू नियमों के तहत पूर्व प्रवर्तकों से निर्धारित शेयर खरीदे। इस लेन-देन के बाद मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर चुका है और इसे सूचीबद्धता नियमों के अनुसार नए प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पूर्व प्रवर्तक यूनिलीवर पीएलसी और अन्य साझेदार अब प्रवर्तक श्रेणी से हटकर सार्वजनिक श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिए गए हैं। इस अधिग्रहण के लिए मूल समझौता 25 जून 2025 को किया गया था, जिसमें मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स और यूनिलीवर पीएलसी सहित अन्य पक्ष शामिल थे। नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदे, जो केडब्ल्यूआईएल की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत है।

अधिग्रहण के बाद कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन में भी बदलाव किए हैं। अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) और निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं ऋतेश तिवारी ने अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) के पद से इस्तीफा दे दिया है।

## मंगला कुप्पा बनीं अमेरिकी श्रम मंत्रालय की मुख्य सूचना अधिकारी

**- भारतीय मूल की वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ की औपचारिक नियुक्ति**

**ह्यूस्टन ।**

भारतीय मूल की तकनीकी विशेषज्ञ मंगला कुप्पा को अमेरिका के श्रम मंत्रालय का मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) नियुक्त किया गया है। वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी। उनके नेतृत्व में मंत्रालय का आधुनिकीकरण कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने मंत्रालय में कई वरिष्ठ पदों पर काम किया, जिनमें मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी

और बिजनेस एप्लीकेशन सर्विसेज की निदेशक शामिल हैं। कुप्पा ने 2010 में श्रम मंत्रालय से जुड़ी और उससे पहले एक दशक से अधिक समय तक श्रम सांख्यिकी ब्यूरो में काम किया। उन्होंने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव रखती हैं। उनकी नियुक्ति अमेरिकी प्रशासन में भारतीय मूल के पेशेवरों की बढ़ती भागीदारी और तकनीकी नेतृत्व में विविधता को दर्शाती है।

# सेबी ने एलीटकॉन इंटरनेशनल और पांच लोगों पर लगाया बाजार में हेरफेर का आरोप

## – सेबी ने शेयरों की खरीद–फरोख्त से लगाई रोक, बैंक व डीमैट खातों को फ्रीज करने का निर्देश दिया

**नई दिल्ली ।**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया। सेबी ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तक और अन्य पक्ष ऊंची कीमत पर अपने शेयर बेचते रहे, जबकि कंपनी और उसके निदेशक निवेशकों को केवल सकारात्मक वित्तीय और परिचालन जानकारी दे रहे थे। इस प्रक्रिया में कथित तौर पर कुल 51.26 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। नियामक ने आरोप लगाया कि कंपनी ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी, जैसे कि जीएसटी से जुड़े मुद्दे, निवेशकों से छुपाई। इसके परिणामस्वरूप बाजार में कृत्रिम सकारात्मक धारणा बनी और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया। सेबी के अनुसार, ऐसा चयनात्मक खुलासा शेयर कीमत को सहारा देने और निवेशकों का लाभ उठाने की

योजना की ओर संकेत करता है। सेबी ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और कंपनी के वास्तविक वित्तीय हालात का पता लगाने के लिए फोरेंसिक लेखा परीक्षा कराई जाएगी। प्रतिबंधित व्यक्तियों को अपनी संपत्तियों और निवेशों का विवरण देने का भी आदेश दिया गया है। सेबी ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कथित गैरकानूनी लाभ के दुरुपयोग को रोकना और निवेशकों के हित की रक्षा करना है। प्रवर्तक और अन्य संबंधित इकाइयों पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

## ष्ठद्गद्गश्चड्डद्ग स्र1द्गह्म्ह्लद्बह्यद्बठ्ठद्द को दोहरी सफलता

**-एनएचएआई ने एमपी-राजस्थान में किया पुनः सूचीबद्ध**

**इंदौर ।**

मध्य भारत की अग्रणी विज्ञापन एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग ने वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने एजेंसी को मध्यप्रदेश और राजस्थान क्षेत्रों के लिए पुनः एम्पैनल (सूचीबद्ध) किया है। इस दोहरी सफलता को एजेंसी की रचनात्मक उत्कृष्टता और इवेंट मैनेजमेंट में मजबूत पकड़ का प्रमाण माना जा रहा है।एजेंसी के प्रबंध निदेशक दीपक जेठा ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह 29 वर्षों की निरंतर मेहनत, नवाचार और क्लाइंट्स के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सहित देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।दीपक एडवरटाइजिंग की इस सफल यात्रा में अब तक 190 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। इनमें 'एजेंसी ऑफ द ईयर', समिट इंटरनेशनल क्रिएटिव अवॉर्ड्स (5 बार), द्धहस्र मान्यता और प्रसार भारती/सीबीएस मान्यता जैसी प्रतिष्ठित उपलब्धियां शामिल हैं। पिछले वर्ष एजेंसी ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक संभाले, जिनमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एनएचएआई इवेंट्स, वंदे भारत एक्सप्रेस लॉन्च, द्वारका एक्सप्रेसवे उद्घाटन, वेस्ट सेंट्रल और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के कार्यक्रम, क्रेडाई प्रॉपर्टी फेयर और डीपी ज्वेलर्स रतलाम शोरूम लॉन्च शामिल हैं। दीपक जेठा ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक बाजार की चुनौतियों को समझकर सही निर्णय लेने वाले क्लाइंट्स ही सफलता हासिल करेंगे और भारत की विकास यात्रा आगे भी मजबूत बनी रहेगी।

## महावीर जयंती पर 31 मार्च को शेयर बाजार बंद

**मुंबई ।**

महावीर जयंती के अवसर पर 31 मार्च मंगलवार को बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार पूरी तरह बंद है। इक्विटी, डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट में न ट्रेडिंग होगी और न सेटलमेंट।

यह दिन सेटलमेंट हॉलिडे भी है, जिससे सभी गतिविधियां ठप हैं।

कमोडिटी बाजार में नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स (एनसीडीईएक्स) बंद रहेगा, जबकि मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) में शाम सत्र से कारोबार शुरू होगा। इससे पहले पिछले सत्र में घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट दर्ज हुई।` निफ्टी 50 2.14 फीसदी गिरकर 22,331.40 और बीएसई सेंसेक्स 2.22 फीसदी टूटकर 71,947.55 पर बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान तनाव से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ, जिससे बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव दिखा।

## तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद भी कंप नियां लाभ में नहीं

**नई दिल्ली ।**

सरकार ने 27 मार्च से पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई। इससे आम लोगों को राहत मिली है और कंपनियों का घाटा घटकर 17-28 रुपये प्रति लीटर रह गया है। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह लाभ में नहीं हैं। रिफाइनरी कंपनियों पर डीजल पर 21.5 रुपये और एयरक्राफ्ट फ्यूल पर 29.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स लगाया गया। अपस्ट्रीम कंपनियों को टैक्स से बाहर रखा गया है। एक्साइज ड्यूटी कटौती से हर 15 दिन में 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, जबकि विंडफॉल टैक्स से 1,500 करोड़ रुपये की कमाई होगी। कंपनियों को संतुलन में लाने के लिए तेल की कीमत 75 डॉलर/बैरल तक आनी चाहिए या कीमतों में 20 रुपये से अधिक प्रति लीटर बढ़ोतरी करनी होगी। रिलायंस जैसी रिफाइनरी कंपनियां मजबूत बनी हैं और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर हैं।

# बंगाल चुनावः इस बार भवानीपुर बनी हॉट सीट, बीजेपी ने रचा चक्रव्यूह

**-बीजेपी ने महीनों से बूथ-बूथ और समुदाय-समुदाय स्तर पर की मैपिंग**

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी-बीजेपी के कड़ा मुकाबला है। इस बीच सीएम ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट ही सबसे हॉट सीट मानी जा रही है। बीजेपी ने ऐसा चक्रव्यूह रचा है कि इस सीट पर ममता बुरी तरह घिरती नजर आ रही हैं। हालांकि यह उनकी पारंपरिक सीट है और वह यहां से कई बार जीत चुकी हैं, लेकिन इस बार के चुनाव में परिस्थितियां कुछ अलग नजर आ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोलकाता की इस सीट पर बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी मैदान में हैं। टीएमसी अपने संगठनात्मक ताकत और भावनात्मक जुड़ाव के सहारे इस गढ़ को बचाने की कोशिश कर रही है। यह मुकाबला 2021 के विधानसभा चुनाव की याद दिलाता है, जब ममता बनर्जी ने अपने पूर्व सहयोगी और अब बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ उनके गृह क्षेत्र नंदीग्राम में चुनाव लड़ा था। उस समय ममता हार गई थीं, हालांकि बीजेपी को पूरे राज्य में हार का सामना करना पड़ा था। बाद में ममता ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचीं। अब मैदान बदला है, नतीजा भी बदलेगा या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी भवानीपुर में 'घर की बेटी' का भावनात्मक प्रचार कर रही हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्शी की अध्यक्षता में हुई रणनीति बैठक में काउंसलरों को निर्देश दिया गया कि वे स्लोगन को घर-घर पहुंचाएं। संदेश साफ है- भवानीपुर सिर्फ सीएम चुन नहीं रहा, बल्कि अपनी बेटी के साथ खड़ा हो रहा है। पार्टी ने आक्रामकता के बजाय भावनात्मक, जुड़ाव और विकास कार्यों पर फोकस करने का फैसला किया है। काउंसलरों को घर-घर जाकर पर्चे बांटने और ममता बनर्जी के विकास कार्यों को हाइलाइट करने को कहा गया है। पूरे क्षेत्र में फोटो कॉर्नर सेट किए गए हैं, जहां लोग ममता बनर्जी के लाइफ-साइज कटआउट के साथ फोटो खिंचवा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वॉर्ड 73 के मुक्तदल मोड़ पर पहला ऐसा बूथ है, जहां ममता रहती हैं। यहां अपील की गई है- ममता बनर्जी के साथ खड़े होइए, फोटो खींचिए, बंगाल के लिए बोलिए। एक वरिष्ठ टीएमसी नेता ने कहा कि हम इस चुनाव को आक्रामकता से नहीं, बल्कि भावनात्मक, कनेक्ट और ममताजी के भवानीपुर में किए गए काम को लेकर लड़ रहे हैं।

वहीं बीजेपी का मानना है कि जमीन बदली है। भवानीपुर को 'मिनी इंडिया' कहा जाता है, जहां बंगाली भद्रलोक, मारवाड़ी-गुजराती व्यापारी, सिख-जैन परिवार और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी है। करीब 42 फीसदी मतदाता बंगाली हिंदू, 34 फीसदी गैर-बंगाली हिंदू और 24 फीसदी मुस्लिम हैं। बीजेपी ने महीनों से बूथ-बूथ और समुदाय-समुदाय स्तर पर मैपिंग की है। पार्टी के मुताबिक यहां कायस्थ 26.2 फीसदी, मुस्लिम 24.5 फीसदी, पूर्वी भारतीय प्रवासी समुदाय 14.9 फीसदी, मारवाड़ी 10.4 फीसदी और ब्राह्मण 7.6 फीसदी हैं। भवानीपुर की लड़ाई एक नारे से नहीं लड़ी जा सकती। इसे बूथ दर बूथ और समुदाय दर समुदाय लड़ना होगा।

इसी रणनीति के तहत सुवेंदु अधिकारी ने हाल ही में भवानीपुर से गुजरने वाली राम नवमी शोभायात्रा में हिस्सा लिया यानी ठीक ममता बनर्जी के घर के पास। अधिकारी ने कहा कि राज्य अब राम राज्य चाहता है। लोग तुष्टिकरण की राजनीति से थक चुके हैं। वे अच्छे शासन चाहते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक बिस्वनाथ चक्रवर्ती कहते हैं कि बीजेपी हिंदू वोटों को बंगाली और गैर-बंगाली समुदायों में काटते हुए एकजुट करने की कोशिश कर रही है और साथ ही ममता को अल्पसंख्यक राजनीति पर घेर रही है। चुनावी रोल की विशेष गहन समीक्षा ने मुकाबले में नया आयाम जोड़ दिया है।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने भवानीपुर में अपनी उपस्थिति दर्ज की थी। 2014 में तो बीजेपी ने ममता के वॉर्ड 73 में भी जीत हासिल की थी। 2024 लोकसभा चुनाव में भवानीपुर सेगमेंट में टीएमसी की बढ़त महज 8,297 वोट रह गई, जबकि 2021 उपचुनाव में यह 58,832 थी। आठ वॉर्डों में से पांच में बीजेपी आगे रही, टीएमसी सिर्फ तीन में। ये आंकड़े बताते हैं कि भवानीपुर अब अजेय नहीं रहा। टीएमसी के लिए यह याद दिलाता है कि ममता बनर्जी की सबसे सुरक्षित सीट को अब सबसे मजबूत बचाव की जरूरत है। 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर में 29 अप्रैल को मतदान होगा। यह मुकाबला न सिर्फ व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता का है, बल्कि टीएमसी की भावनात्मक राजनीति और बीजेपी की जातीय-सामाजिक इंजीनियरिंग के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है।

## हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह का हालिया म्यूजिक कॉन्सर्ट विवादों के घेरे में आ गया है। मुंबई के एमएमआरडीए ग्राउंड में 28 मार्च को आयोजित इस मेगा इवेंट में सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी और नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। शुरुआत में इस कार्यक्रम को एक बड़े संगीत उत्सव के रूप में देखा जा रहा था, जहाँ हजारों प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकार के गानों पर झूमने पहुंचे थे, लेकिन अव्यवस्थाओं ने इस जश्न का रंग फीका कर दिया। सबसे गंभीर मुद्दा एयरपोर्ट जोन के पास हाई-इंटेंसिटी अवैध लेजर लाइट्स के इस्तेमाल का है। यह आयोजन हवाई अड्डे के बेहद करीब था, जहाँ इस तरह की शक्तिशाली रोशनी का उपयोग पायलटों के विजन और उड़ानों की सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है और यह सख्त रूप से प्रतिबंधित है। पुलिस ने आयोजकों को इस संबंध में पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे, फिर भी निर्देशों की अवहेलना की गई। नियमों के इस उल्लंघन को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इवेंट आयोजक इंद्रजीत सिंह और उनकी कंपनी तमन्नाज वर्ल्डवाइड एडवरटाइजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लेजर लाइट्स के अलावा, भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) को लेकर भी बड़ी लापरवाही सामने आई है। आयोजकों ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया था कि कार्यक्रम में करीब 12 हजार लोग शामिल होंगे, लेकिन वास्तविकता में वहाँ 18 से 20 हजार के बीच भीड़ उमड़ पड़ी। उम्मीद से कहीं अधिक भीड़ पहुँचने के कारण सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई और एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर भारी अव्यवस्था देखने को मिली। पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे किसी भी बड़े हादसे की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई अनहोनी नहीं हुई। यह घटना एक बार फिर बड़े सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा मानकों के सख्त पालन और सटीक योजना की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

## कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.अजय स्वरूप ने बताया कि उनका इलाज डॉ.डी.एस.राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में एंटीबायोटिक्स के माध्यम से किया गया और उनका स्वास्थ्य लगातार सुधार रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि सोनिया गांधी की स्थिति में उत्कृष्ट सुधार हुआ है और अब वे सामान्य स्थिति में हैं। हालांकि उन्हें अभी भी इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं, जो कुछ और दिनों तक जारी रहेंगी। सभी स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। अस्पताल के अनुसार, छुट्टी देने का निर्णय मरीज और चिकित्सक की सलाह के बाद लिया गया। वर्तमान में उनका एक सिस्टमिक संक्रमण का इलाज चल रहा है और एंटीबायोटिक्स का सकारात्मक असर देखा जा रहा है। वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर निगरानी रख रही है। एहतियात के तौर पर उन्हें कुछ समय तक घर पर निगरानी में रखा जा सकता है। डॉ. स्वरूप ने कहा कि फिलहाल उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है और वे पूरी तरह स्वस्थ होने की ओर बढ़ रही हैं। सोनिया गांधी की हाल की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अस्पताल और परिवार ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है और वे जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौटेंगी। इस दौरान उनकी देखरेख और एहतियात सुनिश्चित की जा रही है।

## इंडिगो ने वॉल्श को बनाया सीईओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया सीईओ बनाने का ऐलान किया है। वह अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं और जुलाई के बाद अगस्त तक इंडिगो जॉइन कर सकते हैं। यह फैसला पिछले सीईओ पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के कुछ ही हफ्तों बाद लिया गया है। वॉल्श पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी के सीईओ भी रह चुके हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी। इसके कारण 1 से 10 दिसंबर के बीच इंडिगो की 5000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुईं थीं।

## संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला बिल अप्रैल के तीसरे हफ्ते में संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला बिल अप्रैल के तीसरे हफ्ते में लाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि विपक्षी पार्टियों ने सरकार से मांग की थी कि महिला आरक्षण संशोधन बिल को पेश करने से पहले ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई जाए। उन्होंने शर्त ये रखी थी कि ऑल पार्टी मीटिंग 29 अप्रैल के बाद यानी बंगाल और बाकी राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद की जाए। लेकिन सरकार बिल को अप्रैल के तीसरे हफ्ते में ही लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बजट सत्र की अवधि बढ़ाई जा सकती है। महिलाओं को 33प्र. आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में ही पास हो चुका है। अब सरकार इसमें संशोधन करने जा रही है। इस बिल को मार्च में ही लाए जाने की तैयारी थी लेकिन विपक्ष की आपत्ति के बाद इसे टाल दिया गया। अब सूत्रों का कहना है कि इस संशोधित बिल को 15 अप्रैल के आसपास लाया जा सकता है। इसी बिल के साथ परिसीमन बिल भी पेश किए जाने की संभावना है ताकि लोकसभा और विधानसभा की सीमाओं का परिसीमन किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, दोनों बिल 13 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में पेश हो सकते हैं।

## बाघ-तेंदुए के अंगों की तस्करी में दोषी पाए गए छह आरोपी, दो-दो साल की सजा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ स्थित सीबीआई कोर्ट ने बाघ और तेंदुए के अंगों की अवैध तस्करी से जुड़े बड़े मामले में छह आरोपियों मुमताज अहमद, जैबुन निशा, अजीज उल्लाह, वहीद, सरताज और मजीद को दोषी ठहराकर दो-दो साल की सजा और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। जांच के दौरान सीबीआई ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्यजीव सामग्री बरामद की थी। इसमें तेंदुए के करीब 18,000 नाखून, 74 खालें, बाघ की चार खालें तथा बाघ और तेंदुए की हड्डियां शामिल थीं। ये सभी वस्तुएं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-ढ्ढ के अंतर्गत आती हैं, जो इन्हें सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। इस अधिनियम के तहत इनका संग्रह, व्यापार या परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। सीबीआई ने यह मामला 23 मार्च 2000 को दर्ज किया था और विस्तृत जांच के बाद 15 जुलाई 2000 को अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी संगठित तरीके से वन्यजीवों के अंगों की तस्करी और अवैध व्यापार में शामिल थे। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर सभी आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 49-बी और धारा 51 के तहत दोषी पाया। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाता है और अवैध तस्करी में शामिल गिरोहों के लिए एक मजबूत संदेश है। यह दोषसिद्धि न केवल कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है, बल्कि लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और उनके अवैध शिकार व व्यापार को रोकने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## सूरत में भीषण आग : 10 टन साड़ियों के बीच फंसा परिवार, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

सूरत (एजेंसी)। सूरत के लिंबायत इलाके में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक 4 वर्षीय बच्चा और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मौत का कारण दम घुटना और गंभीर रूप से झुलसना बताया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अवैध गोदामों और रिहायशी मकानों में व्यवसाय किए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

## अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार, हाईकोर्ट का अहम फैसला

**-पहली पत्नी को कानूनी हकदार मानते हुए भी बेटी के अधिकार को दी मान्यता, फैसला बन सकता है नजीर**

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है, कि अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार मिल सकता है। अदालत का यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक अहम नजीर बन सकता है। यह मामला पूर्वी रेलवे में कार्यरत एक गेटमैन से जुड़ा था, जिसने अपनी पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। रिटायरमेंट के बाद उसने अपनी सर्विस और पेंशन बुक में पहली पत्नी और बेटे के बजाय दूसरी पत्नी और उससे जन्मी बेटी का नाम दर्ज करा दिया। पहली पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला का कहना था कि उसे मिर्गी की बीमारी के चलते पति ने छोड़ दिया और बिना जानकारी दिए दूसरी शादी कर ली। उसने यह भी आरोप लगाया कि 2012 के बाद से उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला, जबकि पहले उसे हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह स्पष्ट हुआ कि दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में जस्टिस कृष्ण राव ने कहा कि पहली पत्नी ही कानूनी रूप से पेंशन की हकदार है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दूसरी शादी भले ही हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वैध नहीं मानी जा सकती, लेकिन उस संबंध से जन्मी संतान के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि दूसरी पत्नी से जन्मी 15 वर्षीय बेटी का नाम भी सर्विस और पेंशन रिकॉर्ड में शामिल किया जाए। अदालत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित किया कि पहली पत्नी के अधिकार सुरक्षित रहें, साथ ही निर्दोष संतान को उसके अधिकारों से वंचित न किया जाए।

## लिएंडर पेस बीजेपी में हुए शामिल... बंगाल चुनाव में उनकी मौजूदगी से सियासी समीकरण पर पड़ेगा असर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टेनिस के चमकते सितारे लिएंडर पेस ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जोरदार एंट्री कर मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की मौजूदगी में उनका पार्टी में स्वागत किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले बारह वर्षों में खेल और खिलाड़ियों को नई पहचान दी है, और अब पेस जैसे दिग्गज का जुड़ना पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

बात दें कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेस की भाजपा में एंट्री ने चुनावी समीकरण बदल दिए हैं। हाल ही में उन्होंने कोलकाता में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं।

पेस का यह कदम राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। 2021 में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का समर्थन किया था

और 2022 में गोवा चुनाव के दौरान प्रचार भी किया था। हालांकि उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा, उनकी उपस्थिति ने तब काफी चर्चा बटोरी थी। अब भाजपा में शामिल होने से यह साफ होता है कि सियासत में स्थायित्व से ज्यादा रणनीति मायने रखती है।

पेस सिर्फ खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि 18 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सफलतम भारतीय टेनिस सितारों में शामिल हैं। उनकी पहचान सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे राष्ट्रीय प्रतीक बन चुके हैं। भाजपा उनकी लोकप्रियता और पहचान का फायदा उठाने की तैयारी कर रही है, खासकर शहरी और युवा मतदाताओं में प्रभाव बनाने के लिए।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भाजपा का यह कदम सीधे युवा वोट बैंक को टार्गेट करता है। खेल, ग्लैमर और राष्ट्रीय गौरव के मेल से तैयार यह नया समीकरण पार्टी को नई ऊर्जा दे सकता है। पेस का बंगाल से गहरा जुड़ाव भी पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि स्थानीय पहचान और राष्ट्रीय लोकप्रियता का यह संगम उन्हें जनता से सीधे संवाद करने का अवसर देता है। भाजपा अब उन्हें स्टार प्रचारक के तौर पर मैदान में उतारने की योजना बना रही है, जिससे पार्टी शहरी, शिक्षित और महत्वाकांक्षी वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। लिएंडर पेस की एंट्री ने यह साफ कर दिया है कि भाजपा हर स्तर पर रणनीति को धार दे रही है। अब सवाल यह नहीं कि उन्होंने पार्टी क्यों बदली, बल्कि यह है कि उनके आने से चुनावी नतीजों पर कितना असर पड़ेगा।

## बांग्लादेश के विदेश मंत्री आएंगे भारत, गंगाजल संधि और ईंधन संकट जैसे अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले सप्ताह भारत के दौरे पर आ रहे हैं। कार्यभार संभालने के बाद यह उनका पहला विदेश दौरा है, जिसे दक्षिण एशिया की राजनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रहमान इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए मॉरीशस जाते समय नई दिल्ली में रुकेंगे। इस दौरान 8 अप्रैल को उनके भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने की संभावना है।

जल बंटवारे के अलावा, बांग्लादेश की प्राथमिकता अपने देश में गहराते ऊर्जा संकट का समाधान तलाशना भी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण बांग्लादेश में ईंधन की भारी किल्लत पैदा हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, खलीलुर रहमान भारत से अतिरिक्त ईंधन, विशेष रूप से डीजल की आपूर्ति की मांग करेंगे। भारत पहले भी संकट के

समय बांग्लादेश को डीजल की खेप भेजकर मदद कर चुका है। भारतीय अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे पड़ोसी देशों की जरूरतों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे, हालांकि इसके लिए भारत को अपनी घरेलू उपलब्धता और रिफाइनिंग क्षमता का आकलन करना होगा।

यह दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक है क्योंकि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नई सरकार के किसी वरिष्ठ नेता की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा है। गौरतलब है कि खलीलुर रहमान इससे पहले अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका निभा चुके हैं और अब नई सरकार में विदेश मंत्री के रूप में उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इस दौरे के एजेंडे में सबसे ऊपर 1996 की गंगा जल संधि का नवीनीकरण है। 30 साल की अवधि के लिए हस्ताक्षरित इस संधि की मियाद दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही है। दोनों देशों ने पहले ही इसके नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में पद्मा व गंगा नदियों पर संयुक्त जल मापन की प्रक्रिया भी की गई है। इसके साथ ही, खलीलुर रहमान वर्ष 2026-2027 के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्षता के लिए बांग्लादेश की उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। इस चुनाव में वे भारत का समर्थन हासिल करने की पुरजोर कोशिश करेंगे। कुल मिलाकर, यह दौरा न केवल द्विपक्षीय व्यापार और संसाधन साझाकरण के लिए अहम है, बल्कि यह भविष्य में भारत-बांग्लादेश के बीच रणनीतिक साझेदारी की नई दिशा भी तय करेगा। वैश्विक भू-राजनीति में हो रहे बदलावों के बीच दोनों देशों के नेताओं की यह मुलाकात पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

## बालिगों के प्रेम विवाह को सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता परिवार, सुरक्षा देना राज्य का दायित्व

**प्रयागराज (एजेंसी)।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और बालिगों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि दो बालिग व्यक्ति अपनी पसंद से विवाह (प्रेम विवाह) करते हैं, तो कोई भी अन्य व्यक्ति या परिवार इसे अपनी प्रतिष्ठा या सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में राज्य का यह प्राथमिक दायित्व है कि वह दंपति के जीवन, उनकी स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करे, भले ही उन्हें खतरा उनके अपने ही परिवार के सदस्यों से क्यों न हो। यह मामला एक ऐसे जोड़े से जुड़ा था, जिसने अपनी मर्जी से आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था और उनके पास वैध विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र भी मौजूद था। दंपति ने अदालत को बताया कि महिला के परिवार वाले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं और उन्होंने उनके विरुद्ध झूठा आपराधिक मामला दर्ज करा दिया है। याचियों ने संयुक्त हलफनामा दाखिल कर यह गंभीर आशंका जताई कि उन्हें ऑनर किलिंग यानी सम्मान के नाम पर हत्या का शिकार बनाया जा सकता है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए न केवल दंपति को अंतरिम राहत प्रदान की, बल्कि उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए महिला के परिवार को निर्देश दिया है कि वे दंपति को किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक क्षति न पहुंचाएं। कोर्ट ने परिवार को स्पष्ट हिदायत दी कि वे न तो दंपति के घर में प्रवेश करें और न ही उनसे सीधे तौर पर या किसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (फोन, सोशल मीडिया आदि) से संपर्क करने की कोशिश करें। इसके साथ ही, अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया गया है कि वे व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करें कि इस नवविवाहित जोड़े को किसी भी प्रकार का खतरा न हो। इस मामले की अगली सुनवाई अब 8 अप्रैल को तय की गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने अंतरधार्मिक लिव-इन संबंधों पर भी बड़ी टिप्पणी की। अदालत ने अलग-अलग धर्मों के युवक-युवती द्वारा दायर सुरक्षा याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि भारत के किसी भी कानून के तहत अंतरधार्मिक लिव-इन संबंध अपराध या निषिद्ध नहीं हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकारों से किसी को भी महज इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता क्योंकि वे अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि जाति, पंथ, लिंग या धर्म के आधार पर भेदभाव की देश के कानून में कोई जगह नहीं है। सोनभद्र के एक मुस्लिम युवक और उसकी हिंदू साथी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पुलिस को उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है।

## मिडिल-ईस्ट की जंग और भारत की आसमानी सरहद पर मंडराता साइलेंट खतरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम एशिया के रेगिस्तान में गिरते मिसाइल और गरजते लड़ाकू विमानों की गूंज अब भारतीय वायुसेना के बेड़े में सन्नाटा पैदा कर रही है। यह महज एक संयोग नहीं, बल्कि आधुनिक युद्ध का वह क्रूर चेहरा है जहां सीमाएं आपस में जुड़ी नहीं होतीं, फिर भी एक देश की जंग दूसरे देश की सुरक्षा तैयारियों को बंधक बना लेती है। इजरायल-ईरान के बीच छिड़ा महायुद्ध भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क-1ए के लिए एक ऐसा अदृश्य अवरोध बन गया है, जिसने रक्षा गलियारों में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। यह संकट अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की कॉम्बैट स्ट्रेंथ (युद्धक क्षमता) पर सीधा प्रहार है।

भारतीय वायुसेना वर्तमान में लड़ाकू विमानों की अपनी स्वीकृत संख्या (42 स्क्वाड्रन) के मुकाबले बेहद कम स्तर पर काम कर रही है। इस गैप को भरने के लिए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए को गेम-चेंजर माना गया था। 180 विमानों का भारी-भरकम ऑर्डर एचएएल के पास है, लेकिन हकीकत यह है कि मार्च 2024 की डेडलाइन बीत जाने के बावजूद वायुसेना के हाथ अब तक खाली हैं। इस देरी की सबसे बड़ी और कड़वी वजह यह है कि तेजस का दिल (अमेरिकी इंजन) और उसकी आंखें (इजरायली रडार) दोनों ही इस वक्त युद्ध के मैदान में उलझे हुए हैं। अमेरिकी कंपनी जीई जो तेजस को एफ-404 इंजन सप्लाई करती है, वह इस समय वॉशिंगटन और यरूशलेम के रणनीतिक दबाव में है। यूक्रेन और मिडिल-ईस्ट के मोर्चों पर अमेरिकी लड़ाकू विमानों की बढ़ती सक्रियता के कारण जीई ने भारत को इंजन देना लगभग बंद कर दिया है। पिछले 90 दिनों से भारत को एक भी इंजन प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि वादा हर महीने दो इंजन देने का था। अमेरिकी कंपनियां इस समय अपने घरेलू और इजरायली ऑर्डर्स को वॉर-प्रायोरिटी पर रख रही हैं, जिसका सीधा मतलब है कि भारत का प्रोजेक्ट उनकी प्राथमिकता सूची में सबसे नीचे खिसक गया है।

यही हाल इजरायली रडार सिस्टम का भी है। तेजस को दुनिया का सबसे घातक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट बनाने वाला इजरायली ईएल/एम-2052 एईएसए रडार अब इजरायल की अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रिजर्व कर लिया गया है। इजरायल इस समय अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में उसकी कंपनियां भारत को रडार सप्लाई करने के बजाय अपनी सेना के लिए रडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने में जुटी हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक कड़वा वेक-अप कॉल है। यह साबित हो गया है कि वैश्विक अस्थिरता के दौर में ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भरता कितनी जोखिम भरी हो सकती है। जब दुनिया की महाशक्तियां जंग में उलझती हैं, तो वे अपने सहयोगियों के

साथ हुए व्यापारिक करारों को दरकिनार करने में संकोच नहीं करतीं। भारत का तेजस प्रोजेक्ट इस समय उसी कोलेटरल डैमेज का शिकार हो रहा है, जो किसी भी समय हमारी वायुसेना की मारक क्षमता को कमजोर कर सकता है।

# आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

**लखनऊ (एजेंसी)।** यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐसे में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। वेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटका लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं जबकि लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.25 का रहा था। इस बार भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सत्र में टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं पूरन अपने बल पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम

### टीम इस प्रकार है

**लखनऊ सुपर जाइंट्स:** ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंग्लिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

**दिल्ली कैपिटल्स :** अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख।

खान, एनरिक नॉर्टजे, मयंक यादव और मोहसिन खान के रूप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। वहीं, स्पिन की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी संभालेंगे, जिनका प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा रहा था।

# ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

## –आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.44 रन था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज बुरी तरह असफल रहे।

# पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा। पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

# जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने

खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेज ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाज़ी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था। खेल में आप किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

# कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई ।मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे।सूर्या ने इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे।इसके बाद से ही कई सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है।जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये।सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया।जिससे वह चोट से बचे रहें।जयवर्धने के अनुसार वह फील्डिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नहीं लेना चाहता था।

कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा–समझा फैसला था।सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली।उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए।मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे।

# शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गुवाहाटी ।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं।अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है।इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है।टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है।वहीं मैच को लेकर

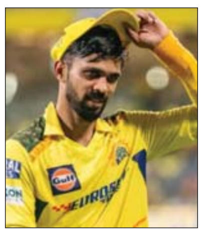

उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं।इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे।हमारे टीम के लिए जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था।तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे।स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी।' उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे।हमारा लक्ष्य 150–160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे।उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था।पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी।एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला।इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये।वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये।मध्य क्रम भी असफल रहा।इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये।युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए।केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये।ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई।

# कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

**मुम्बई (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही

से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। पर इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर आगे नहीं बढ़ा। हैदराबाद, गुजरात के बाद अब वह केकेआर से खेल रहे हैं। टीम अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है जिसमें भी उन्हें अवसर मिलना तय है। ऐसे में इस युवा के पास उस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन का टीम को जीत दिलाने का अवसर रहेगा।

# दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

# फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो ।जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है।इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं।इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये।चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके।इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे।रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये।वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है।जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं।बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है।वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं।उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं।वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

# एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने ।भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी।हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है।इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी।भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी।यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा।इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

# सीएसके के खिलाफ आक्रामक पारी के बाद बोले वैभव सूर्यवंशी, मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं

**गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)।** अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 15 गेंदों में अर्धशतक से की, जो इसलिए भी खास था क्योंकि उसी पिच पर चेन्नई सुपर किंग्स सिर्फ 127 रन पर ऑलआउट हो गई थी। सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की योजना पावरप्ले का पूरा फायदा उठाने की थी, इसलिए उन्होंने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वह डिफेंस के बारे में भी सोचते हैं।

राजस्थान की 8 विकेट की जीत के बाद सूर्यवंशी ने कहा, 'हमारी योजना थी कि हम पावरप्ले को अच्छी तरह एग्जक्यूट करें। शुरुआत में विकेट थोड़ा धीमा लग रहा था, लेकिन बाद में गेंद पुरानी होने पर बल्ले पर अच्छे से आने लगी। मैं डिफ़ेंस के बारे में भी सोचता हूं, लेकिन आज हमारा प्लान पावरप्ले में खेलने का था। छोटे टारगेट में मैच पावरप्ले में ही तय हो जाता है। अगर बॉलिंग टीम पावरप्ले में अच्छा करती, तो मैच उनके पक्ष में जा सकता था। लेकिन हम सभी ने पूरी तरह अटैक किया और हमारा पावरप्ले अच्छा गया।'

सूर्यवंशी को पहली ही गेंद पर CSK के डेब्यू खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने कैच छोड़ दिया था, जो डीप मिडविकेट पर एक मुश्किल मौका था। उन्होंने पावरप्ले खत्म होने तक 16 गेंदों में 52 रन बना लिए जिसमें 5 छक्के और चार चौके शामिल थे। ऋऋका स्कोर 6 ओवर में 70 रन था। उन्होंने कहा कि RR मैनेजमेंट ने उन्हें अपना नेचुरल गेम खेलने की आजादी दी और सीजन से पहले उनकी तैयारी भी अच्छी रही।

इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने बस कहा कि हम तुम्हें सपोर्ट कर रहे हैं, तुम अपना नेचुरल गेम खेलो। उन्होंने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। प्रैक्टिस भी अच्छी रही। हम यहां थोड़ा पहले आ गए थे, इसलिए तैयारी अच्छी हुई। उन्होंने कहा कि बस अपना गेम खेलो, सिचुएशन पढ़ो और खेलो। बाकी अपने गेम पर भरोसा रखो।' गौर हो कि सूर्यवंशी ने 2025 में 14 साल की उम्र में IPL डेब्यू किया था। उन्होंने ऋऋके लिए 7 मैच खेले, IPL इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक (35 गेंद) लगाया और सीजन में 252 रन 206.55 के स्ट्राइक रेट से बनाए।

Credit : X @VinitYaduvnsh

# मोहनलाल के साथ अपनी 100वीं फिल्म करेंगे प्रियदर्शन

**प्रियदर्शन ने बतौर निर्देशक 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' से डेब्यू किया था। अब प्रियदर्शन अपनी 100वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। अपनी 100वीं फिल्म में प्रियदर्शन उसी अभिनेता के साथ काम करेंगे, जिनके साथ उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म की थी।**

प्रियदर्शन और मोहनलाल की जोड़ी बहुत खास है, क्योंकि मोहनलाल ने प्रियदर्शन की पहली फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' में भी मुख्य भूमिका निभाई थी। अब उनकी 100वीं फिल्म में भी मोहनलाल हीरो होंगे।

### किस पर आधारित होगी फिल्म

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म का नाम अभी नहीं तय हुआ है। यह कॉमेडी नहीं, बल्कि एक म्यूजिकल फिल्म हो सकती है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। हो सकता ही कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में ही शुरू हो जाए। इस फिल्म को एंटनी पेरुंबावूर की कंपनी बनाएगी। बिनु जॉर्ज अलेक्जेंडर इसके सह-निर्माता हैं।

### मोहनलाल का पोस्ट

मोहनलाल ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म को लेकर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि यह पल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी लोगों का है जो इस सफर के गवाह बने। उन्होंने प्रियदर्शन को बधाई दी और कहा कि 100 फिल्में सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि जुनून, लगन और सिनेमा के जादू की पूरी जिंदगी हैं। वह इस ऐतिहासिक फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

### प्रियदर्शन की डेब्यू फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी'

साल 1984 में 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' नाम की कॉमेडी फिल्म से प्रियदर्शन ने निर्देशक के तौर पर डेब्यू किया था। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने मोहनलाल को हीरो चुना था। उस दिन से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में दोनों का साथ शुरू हुआ, जो अब उनकी 100वीं फिल्म तक जा पहुंचा है।

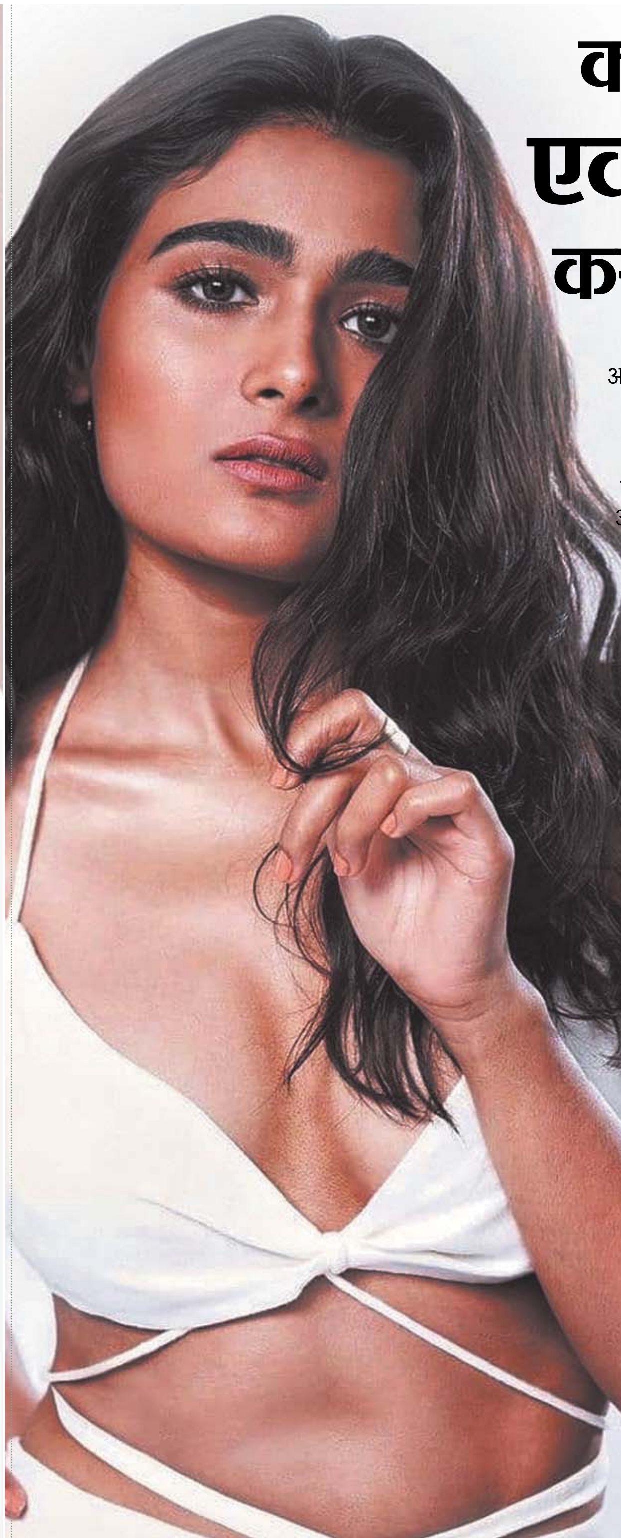

# कंफर्ट जोन से बाहर आकर एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

### ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

### आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

# ओटीटी पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह और मिहिर आहूजा की नई वेब सीरीज 'मां का सम'

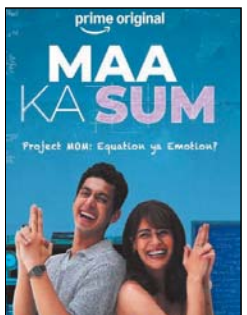


मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जानें किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज? 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है। इस सीरीज की कहानी अगस्त्य नाम के एक होनहार टीनएज लड़के की है, जिसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य बहुत अच्छा मैथ्स का स्टूडेंट है। वह पूरी दुनिया को नंबर्स, ग्राफ और लॉजिक के नजरिए से देखता है। उसकी सिंगल मां विनीता का रोल मोना सिंह ने निभाया है।

# अदिवी ने की को-स्टार मृणाल ठाकुर की तारीफ

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

### सेट पर चोटिल हो गए थे अदिवी-मृणाल

एक किस्सा शेयर करते हुए वह बताते हैं, 'एक एक्शन सीन के दौरान हम दोनों को चोट लग गई थी। सीन में मुझे उन्हें उठाकर चलना था, लेकिन मैं पत्थर पर ट्रिप कर गया और हम दोनों गिर गए। उन्हें बैक स्प्रेन हो गया और मुझे भी चोट आई। आज भी वो मजाक में कहती हैं, 'देखो आपने क्या किया...'और अपना निशान दिखाती हैं। अब वो मजाक लगता है, लेकिन उस वक्त हम काफी डर गए थे। शूटिंग कुछ समय के लिए रुक गई थी और रिलीज प्लान भी आगे बढ़ाना पड़ा था।'

# वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

# करण कुंद्रा और तेजस्वी की गुपचुप शादी पर ट्वीट्स वायरल

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की गुपचुप शादी की खबरें आ रही हैं। सोशल मीडिया पर कई ट्वीट्स वायरल हैं, जिनमें यूजर्स कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि, फैंस कन्फ्यूज हैं। अभी करण और तेजस्वी ने भी रिएक्ट नहीं किया है। वहीं, भारती ने हाल ही बताया था कि उन्हें करण पर क्रश था। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के पॉपुलर कपल हैं और चार साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फैंस काफी समय से उनकी शादी का इंतजार कर रहे थे, और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने गुपचुप शादी कर ली है। सोशल मीडिया और ङ्ग पर कई पोस्ट वायरल हैं, जिनमें दावा किया गया है कि करण और तेजस्वी ने गुपचुप शादी कर ली है। यूजर्स भी कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि. कुछ फैंस ऐसे भी हैं जो ऐसे ट्वीट्स देख कन्फ्यूज हो गए हैं। वो पूछ रहे हैं कि आखिर सब करण और तेजस्वी को शादी की बधाई क्यों दे रहे हैं? क्या उन्होंने वाकई गुपचुप शादी कर ली है? वहीं, प्रिंस नरूला ने भी एक बार एक इंटरव्यू में करण और तेजस्वी की शादी कन्फर्म की थी।

करण कुंद्रा 'बिग बॉस 15' में नजर आए थे, और उसी शो के दौरान उनकी तेजस्वी प्रकाश के साथ लव स्टोरी शुरू हुई। करण कुंद्रा और तेजस्वी चार साल से डेट कर रहे हैं, और फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब गुपचुप शादी की खबरों से सोशल मीडिया पटा पड़ा है, पर कपल की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। वैसे यूजर्स पर कपल को बधाई दे रहे हैं। वायरल ट्वीट्स आप यहां देख सकते हैं:

### करण और तेजस्वी के साथ भारती सिंह का बॉन्ड

भारती ने आगे बताया, 'मेरी बहन तो करण के लिए इतनी पागल थी कि बर्तन धोते हुए भी बीच में ही छोड़कर आ जाती थी ताकि करण को टीवी पर देख सके।' और अब भारती और करण 'लाफ्टर शेफ्स' में गर्दा उड़ा रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री और मस्ती-मजाक दर्शक खूब पसंद करते हैं। भारती का करण और तेजस्वी के साथ काफी करीबी बॉन्ड भी है।

### करण कुंद्रा का करियर

करण कुंद्रा की बात करें, तो उन्होंने साल 2009 में टीवी शो 'कितनी मोहब्बत है' से एक्टिंग डेब्यू किया था, और छा गए थे। वह देखते ही देखते घर-घर मशहूर हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 'कितनी मोहब्बत है 2', 'दिल ही तो है', 'ये कहां आ गए हम' और अब 'नागिन 7' में काम किया। वहीं, भारती ने साल 2008 में रियलिटी शो 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से शुरुआत की थी। इसमें वह बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई थीं। लल्ली के किरदार ने भारती सिंह को मशहूर कर दिया था।

### प्रिंस नरूला ने कन्फर्म की थी करण-तेजस्वी की शादी

वहीं, प्रिंस नरूला ने एक बार नयनदीप रक्षित को दिए इंटरव्यू में करण-तेजस्वी की शादी कन्फर्म की थी। जब पूछा गया कि उनके करीबी दोस्त करण कब शादी करेंगे, तो प्रिंस ने कहा था, 'वो एक शो के बाद करेंगी शादी, एक कमिटमेंट है उसके बाद।' तभी युविका चौधरी बोल पड़ी थीं- कहीं शो पर तो शादी नहीं कर रहे हैं? तो प्रिंस ने जवाब दिया था, 'पता नहीं, हो भी सकता है।'

## संक्षिप्त समाचार

### ट्रंप की राह पर यूरोपीय संघ

**लंदन, एजेंसी।** यूरोपीय संघ भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राह पर चल पड़ा है। 27 देशों के इस समूह में ट्रंप की आव्रजन नीतियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना हुई थी और अब यह समूह प्रवासियों का पता लगाने, उनके खिलाफ छापेमारी व उन्हें निर्वासित करने की अपनी शक्तियों का विस्तार कर रहा है। यह समूह प्रवासियों को अफ्रीका और अन्य जगहों के तीसरे देशों में स्थित वापसी केंद्रों में भेजेगा। 2024 में कुछ देशों में दक्षिणपंथी दलों के सत्ता में आने के बाद से यूरोपीय संघ प्रवासन नीतियों को और सख्त कर रहा है। यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि नए उपायों से सीरिया में गृहयुद्ध के कारण 2015 में उत्पन्न संकट की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

### श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मदद के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति बाधाओं को दूर करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत ने शनिवार को कोलंबो में 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप भेजी। दिसानायके ने सोशल मीडिया पर भारत की त्वरित सहायता की सराहना की और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बेहतर समन्वय के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया।

### चीन के जातीय एकता कानून से तिब्बत में पहचान का संकट

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन द्वारा लागू किए गए नए जातीय ढांचे ने तिब्बत में सांस्कृतिक और भाषाई अस्तित्व पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के प्रतिनिधियों ने चेक गणराज्य में उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान इस मुद्दे को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यह कानून तिब्बती भाषा, धार्मिक प्रथाओं और पहचान को मिटाकर जबरन आत्मसात करने की कोशिश है। चेक गणराज्य के सांसदों और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने तिब्बत की जमीनी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया है।

### बैक टू द फ्यूचर फेम अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाने वाले दिग्गज अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके एजेंट जॉन अल्कांतार ने शनिवार को बताया कि टोल्कन ने न्यूयॉर्क के लेक प्लेसिड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बैक टू द फ्यूचर की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार उनका निधन प्राकृतिक तरीके से हुआ।

### खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश का कहर

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश और तेज हवाओं ने कहर मचा दिया है। अलग-अलग हादसों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुआ, जहां तेज बारिश के कारण कई इमारतें गिर गईं। बन्नू के कोटका गुलाम कादिर इलाके में एक मस्जिद का बरामदा गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। ये लोग बारिश से बचने के लिए वहां रुके हुए थे। वहीं, एक अन्य घटना में जर्जर घर की छत गिरने से तीन बच्चों की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पंजाब के लाहौर के बादामी बाग इलाके में भी एक घर की छत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इसके अलावा बहावलपुर में एक 70 साल के बुजुर्ग की फिसलकर गिरने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं, गरज-चमक और भारी बारिश जारी रह सकती है। इससे बाढ़ जैसे हालात बनने का खतरा भी बढ़ गया है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

### ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका रणनीति : देश की सुरक्षा का जिक्र कर बोले हेगसेथ, कहा- हमारा दायरा ग्रीनलैंड से गुयाना तक!

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को उत्तरी गोलार्ध में सुरक्षा ढांचे को फिर से परिभाषित करने वाला नया 'ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका' रणनीति का एलान किया। उन्होंने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई दिशा बताया। हेगसेथ ने फ्लोरिडा के डोरल स्थित यूएस सदर्न कमांड मुख्यालय में कहा कि इस रणनीति का दायरा ग्रीनलैंड से अमेरिका की खाड़ी और फिर पनामा नहर तक है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को 'तत्काल सुरक्षा सीमा' में शामिल किया गया है।

# ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर, खार्ग द्वीप पर कर सकता है कब्जा, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

**वाशिंगटन , एजेंसी।** पिछले एक महीने से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान का तेल लेना चाहते हैं और देश के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर सकते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज ईरान का तेल लेना है।' उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला से की, जहां वाशिंगटन जनवरी में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के बाद कथित तौर पर तेल उद्योग पर लंबे समय तक नियंत्रण रखना चाहता है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का तेल लेने का मतलब होगा खार्ग द्वीप पर कब्जा करना, जिसके जरिए ईरान के 90 प्रतिशत से ज्यादा तेल का निर्यात होता है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि इस तरह के हमले से हताहतों की संख्या बढ़ने और युद्ध लंबा खिंचने का खतरा है। रिपोर्ट में ट्रंप के हवाले से कहा गया, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है न करें। हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।' उन्होंने कहा, 'इसका यह भी मतलब होगा कि हमें वहां कुछ समय तक रहना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि उनका मानना है कि द्वीप पर ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बहुत कम या बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत आसानी से इस पर कब्जा कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका मध्य

पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है और ईरान से लगभग 1,000 पाउंड यूरेनियम निकालने के लिए संभावित सैन्य अभियान पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की सोच से परिचित एक अज्ञात सूत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि उन्होंने अपने सलाहकारों को इस बात के लिए दबाव डालने को भी कहा है कि ईरान युद्ध खत्म करने की शर्त के तौर पर यह सामग्री सौंपने पर राजी हो जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन इस क्षेत्र में 10,000 तक अतिरिक्त सैनिक तैनात कर रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को घोषणा की कि 2,500 मरीन सहित 3,500 से ज्यादा सैनिक मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। इस खतरे के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान के जरिए चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत में प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, 'बहुत जल्द कोई समझौता हो सकता है। गौरतलब है कि इजरायल और अमेरिकी की ईरान के साथ लड़ाई को एक महीने से अधिक समय हो गया है। 28 फरवरी को यह जंग शुरू हुई थी। इसके बाद दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 119.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो जून 2022 के बाद से सबसे ज्यादा है।

**इजराइल ने हाइफा शहर पर दागे गए 5 रॉकेट मार गिराए :** इजराइल की सेना ने बताया कि शहर हाइफा को निशाना बनाकर दागे गए 5 रॉकेट्स को हवा में ही रोक लिया गया। सभी रॉकेट इंटरसेप्ट कर दिए गए और किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके अलावा, दक्षिण के महत्वपूर्ण शहर इलात के ऊपर दो ड्रोन भी मार गिराए गए।

**ईरान ने मिसाइल हमलों का एआई वीडियो जारी किया :** ईरान के सरकारी मीडिया ने एक नया एआई से बना वीडियो जारी किया है, जिसमें नई मिसाइल हमलों की लहर दिखाई गई है। यह वीडियो मेहर न्यूज एजेंसी ने जारी किया गया। वीडियो में एक सैन्य बैठक दिखाई गई है, जिसमें सुप्रीम कमांडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को दिखाया गया है। इसके बाद मिसाइल लॉन्च, शहरों में धमाके और ईरानी सैनिकों को यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद की ओर बढ़ते हुए दिखाया गया है। यह पहली बार नहीं है। पिछले हफ्ते भी ईरान के सरकारी मीडिया ने 'वन वेंजेंस फॉर ऑल' नाम का एक ढ्ढ वीडियो जारी किया था, जिसमें अमेरिका से जुड़े युद्धों हिरोशिमा, वियतनाम, यमन, अफगानिस्तान, इराक, गाजा और फिलिस्तीन को दिखाया गया था।

**ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले तेज किए :** खाड़ी देशों में पिछले कुछ घंटों में हमलों की संख्या बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में सायरन बजने की आवाजें सुनी गईं और हमलों को हवा में ही रोकते हुए वीडियो भी सामने आए हैं। बहरीन में भी कई बार अलर्ट जारी हुआ और लोगों ने कई धमाकों की आवाज सुनी। सऊदी अरब ने बताया कि उसके पूर्वी इलाके में 5 बैलिस्टिक मिसाइल और 1 क्रूज मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। वहीं कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनके हवाई क्षेत्र में 14 मिसाइल और 12 ड्रोन देखे गए, जबकि इससे एक रात पहले 17 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला था।

**फिलीपींस रूस से 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदेगा :** फिलीपींस की एकमात्र तेल रिफाइनरी कंपनी पेट्रोन कॉर्प ने रूस से करीब 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदने का फैसला किया है। कंपनी ने फिलीपींस स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बाद से करीब 40 लाख बैरल तेल की सप्लाई रद्द हो चुकी थी। इसके बाद मजबूरी में रूस से तेल खरीदने का निर्णय लिया गया।

## मस्जिद के बाद इजरायल ने चर्च पर लगाया ताला! कार्डिनल की एंट्री रोक से भड़के ईसाई

**येरुशलम, एजेंसी।** इजरायली पुलिस ने रविवार को वेटिकन के बड़े कार्डिनल पियरबतिस्ता पिज्जाबल्ला को यरूशलम के चर्च ऑफ द होली सेपल्चर में प्रवेश करने से रोक दिया, जहां वे पाम संडे मास (संडे प्रार्थना सभा) में भाग लेने जा रहे थे। यह घटना सदियों में पहली बार हुई जब किसी कार्डिनल को चर्च में प्रवेश से रोका गया।

चर्च के अधिकारियों के अनुसार, कार्डिनल पिज्जाबल्ला, जो पिछले साल पोप बनने के संभावित दावेदारों में से एक थे, बिना किसी जुलूस या औपचारिक अनुष्ठान के निजी तौर पर प्रवेश कर रहे थे। वे फादर फ्रांसेस्को इलपो के साथ थे, जब सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें रोक दिया गया।

**विवाद बढ़ने के बाद झुकी नेतन्याहू सरकार :** हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रात में कार्डिनल को चर्च में प्रवेश की अनुमति दे दी। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं इस चिंता को समझता हूं, लेकिन जैसे ही मुझे कार्डिनल पिज्जाबल्ला के साथ हुई घटना के बारे में पता चला, मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पैट्रिआर्क को उनकी इच्छा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करने की अनुमति दी जाए।' नेतन्याहू ने कहा कि रोक के पीछे सुरक्षा कारण थे, खासकर ईरान के हमलों के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया। इजरायल ने युद्ध शुरू होने के बाद से सभी बड़े धार्मिक जमावड़ों पर प्रतिबंध लगा रखा है, जिसमें मस्जिद अल-अक्सा में नमाज पर भी पाबंदी शामिल है।

**इटली के साथ कूटनीतिक तनाव :** इजरायल के इस कदम से इटली के साथ कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि उन्होंने इस घटना पर इजरायल के राजदूत को तलब किया है। वेटिकन ने भी कार्डिनल के प्रवेश से रोके जाने की निंदा की है और कहा है कि यह कदम ईसाई धर्म के पवित्र स्थलों की स्वतंत्र धार्मिक प्रथाओं के अधिकार के खिलाफ है।

**ईसाई समुदाय इजरायल के खिलाफ गुस्सा :** दुनियाभर के ईसाई समुदाय में इजरायल के खिलाफ गुस्सा देखा गया है। यरूशलम का चर्च ऑफ द होली सेपल्चर ईसाई धर्म के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है।

## जिस एयरपोर्ट पर खड़ा था डोनाल्ड ट्रंप का विमान, मच गई अफरा-तफरी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार क अफरा-तफरी मच गई और एफ-16 विमानों को तैनात कर दिया गया। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहीं मौजूद थे और उनका एयरफोर्स वन विमान वॉशिंगटन डीसी के लिए उड़ान भरने वाला था।वाइट हाउस के मुताबिक एक सिविलियन एविएशन प्लेन से संपर्क कटने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहर करीब 1 बजे के आसपास एक विमान ने टेंपररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन का उल्लंघन किया।

इसके बाद उस विमान को सुरक्षित रूप से वहां से अल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक विमान के पायलट से संपर्क स्थापित करने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। फ्लेयर्स को आसमान में छोड़ा जाता है और ये वहीं जलकर खाक हो जाते हैं। जमीन पर इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। वाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस ने इस बात की पुष्टि की है कि इस घटनाक्रम को कोई प्रभाव डोनाल्ड ट्रंप और उनके विमान पर नहीं पड़ा है। वाइट हाउस ने बताया कि एक विमान का संपर्क अचानक एटीसी से टूट गया था। हालांकि थोड़ी देर में फिर सेसंपर्क स्थापित हो गया। एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की ड्रोन गतिविधि नहीं देखी गई है। कुछ लोगों ने कहा कि एयरपोर्ट पर ड्रोन की गतिविधियां देखी जाने के बाद ग्राउंड स्टॉप किया गया था। सिक्योरिटी स्टाफ के मुताबिक इस घटनाक्रम के बाद कुछ हेलिकॉप्टरों के जरिए एयरस्पेस की भी जांच करवाई गई है। वहीं सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने कहा कि किसी डर की वजह से हेलिकॉप्टर नहीं उड़ाए गए थे। जानकारी के मुताबिक पाम बीच एयरपोर्ट पर अब संचालन सामान्य है। सऊदी अरब, मिस्र, तुर्किये और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने चतुष्पक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान रविवार को इस्लामाबाद में पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। पश्चिम एशिया सघर्ष ने क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर व्यवधान पैदा किया है।

## अफगानिस्तान- पाकिस्तान में फिर संघर्ष, 1 की मौत, 12 घायल

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** अफगानिस्तान की सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने रविवार को देश के कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों पर गोलाबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच फरवरी से टकराव बढ़ा हुआ है। इसे पिछले कई दशकों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे गंभीर टकराव माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। खास तौर पर पाकिस्तान तालिबान का जिक्र किया जाता है। यह समूह अफगान तालिबान से अलग है, लेकिन दोनों के बीच करीबी संबंध माने जाते हैं। अफगान तालिबान ने 2021 में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना की वापसी के दौरान सत्ता संभाली थी। हालांकि काबुल इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने दावा

किया था कि पाकिस्तान के एक हवाई हमले में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि उसने किसी आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया, बल्कि एक हथियारों के गोदाम पर हमला किया था।

**मोर्टार और भारी हथियारों से हमला :** फितरत ने कहा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने रविवार दोपहर कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों में ग्रामीण क्षेत्रों और आम नागरिकों के घरों पर मोर्टार और अन्य भारी हथियारों से हमला किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घायल बच्चों की तस्वीरों के साथ पोस्ट लिखी है, जिसमें हमले की जानकारी दी। पाकिस्तान ने अभी तक हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

**पाकिस्तान-अफगानिस्तान में क्यों तनाव :** पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के दिनों में दशकों की सबसे भीषण लड़ाई हुई है। पाकिस्तान आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पाकिस्तानी तालिबान (ञ्ञक्क) जैसे चरमपंथी समूहों को सुरक्षित पनाह दे रहे हैं, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। अफगान तालिबान ने अपनी जमीन पर किसी समूह को शरण देने से इनकार किया है और टीटीपी को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताता है।

**अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष :** अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रही लड़ाई में बार-बार सीमा पार झड़पें हुई हैं। इसके साथ ही पाकिस्तानी वायु सेना ने अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए हैं, जिसमें राजधानी काबुल पर हमले भी शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने कहा था कि पाकिस्तान ने एक हवाई हमले में काबुल स्थित एक नशामुक्ति के अस्पताल को निशाना बनाया। इसमें 400 लोगों की मौत हुई थी।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय ने कहा है कि अभी कुल मरने वालों की संख्या की पुष्टि की जा रही है। पाकिस्तान ने मौतों के दावे को गलाता बताया है और आम नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है। पाकिस्तान का कहना है कि उसे गोला बारूद के एक गोदाम पर हमला किया था।

## ईरान के कुवैत स्थित प्लांट पर हमले में भारतीय की मौत, संघर्ष में अब तक 8 भारतीयों की जान गई

**कुवैत सिटी , एजेंसी।** कुवैत सरकार ने घोषणा की कि सोमवार तड़के ईरान द्वारा किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और जल विलवणीकरण (डिसेलिनेशन) संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर कम से कम आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने सोशल साइट एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा और इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' के रूप में कड़ा निंदा की। मंत्रालय ने अरबी में कहा- 'इस हमले में एक कर्मचारी (भारतीय नागरिक) की मृत्यु हुई और भवन को गंभीर क्षति पहुंची।' अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन और तकनीकी प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही, नुकसान को कम किया जा सके और संयंत्र के संचालन में बड़े व्यवधान से बचा जा सके। मंत्रालय ने जोर दिया कि 'बिजली और जल अवसंरचना की सुरक्षा और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता हैं' और तकनीकी टीमें किसी भी आगे के जोखिम की आशंका के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं ताकि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह घटना संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें पिछले गुरुवार को अबू धाबी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जब एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया और मलबे की वजह से वह घायल हो गया था।

तत्कालीन समय में भारतीय दूतावास ने कहा था कि वह 'यूएई अधिकारियों के साथ निकटता से काम कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को सभी संभव समर्थन और सहायता प्रदान की जा सके।' शुक्रवार को हुई एक अंतर-मंत्रालयीय समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने कहा था कि अब तक मध्य पूर्व संघर्ष में सात भारतीय नागरिक मारे गए हैं और एक व्यक्ति लापता है। सोमवार की घटना के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई है। यह संघर्ष अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और यह तब शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर समन्वित हमले किए, जिससे क्षेत्र में व्यापक तनाव बढ़ गया। इसके बाद, ईरानी बलों ने इज़रायल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य स्थलों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र में जनहानि हुई और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा।

## अंडरग्राउंड मुजतबा खामेनेई ने इराक भेजा खास मैसेज, अमेरिका की बढ़ी टेंशन

**तेहरान, एजेंसी।** अमेरिका और इजरायल के हमलों के बीच, ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक नया लिखित संदेश जारी किया है। ईरानी मीडिया ने रविवार को बताया कि इस संदेश में उन्होंने इराक के लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने ईरान के खिलाफ आक्रामकता के समय उनका समर्थन किया। मुजतबा अपने पिता और ईरानी क्रांति के संस्थापक आयतुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु के बाद से तीसरे सर्वोच्च नेता बने हैं। हालांकि, वे अब तक सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं और केवल कुछ लिखित बयान ही सामने आए हैं। उनके सार्वजनिक रूप से नहीं दिखने के कारण अमेरिकी मीडिया और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन उनकी हालत और स्थान को लेकर अटकलें लगा रहे हैं।

**मुजतबा ने की इराकी जनता की तारीफ :** ईरानी सरकारी टेलीविजन और कुछ अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे हवाई हमले में लगी चोटों से उबर रहे हैं। ढ्ढस्ल्ल न्यूज एजेंसी ने बताया कि संदेश में मुजतबा खामेनेई ने इराक में सर्वोच्च धार्मिक नेता और आम जनता के प्रति अपनी सराहना जताई। उनका इशारा ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी की ओर था, जो शिया इस्लाम में अत्यंत सम्मानित व्यक्तित्व हैं। यह संदेश इराक की इस्लामिक सर्वोच्च परिषद और बगदाद में ईरानी राजदूत के बीच हुई बैठक के बाद जारी किया गया। हालांकि, संदेश किस माध्यम से भेजा गया, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। ईरानी मीडिया समय-समय पर उनकी तस्वीरें प्रकाशित करता रहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि ये तस्वीरें हाल की हैं या पुरानी। उनके आधिकारिक टेलीग्राम और एक्स अकाउंट भी सक्रिय हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वाशिंगटन ईरान के किसी शीर्ष अधिकारी से बातचीत कर रहा है, लेकिन यह व्यक्ति सर्वोच्च नेता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मुजतबा खामेनेई के जीवित होने की पुष्टि नहीं है और। इन संकेतों से प्रतीत होता है कि ईरान का नया नेता किसी सुरक्षित और गुमनाम स्थान पर इलाज करा रहे हैं या सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं हुए हैं, क्योंकि इजरायल ने उनकी हत्या की धमकी भी दी थी। साथ ही, अमेरिका और ईरान के बीच परोक्ष बातचीत चल रही है, जिसमें पाकिस्तान के दूत मध्यस्थता कर रहे हैं। ट्रंप ने मीडिया को बताया कि यह वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। हालांकि, उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर किसी संघर्ष-विराम समझौते के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की।

# पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** पाकिस्तान खुद को ईरान और अमेरिका के बीच शांति कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा था। इसी मकसद से इस्लामाबाद में एक बड़ी कूटनीतिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल हुए। माहौल गंभीर था और सबकी नजरें इस अहम बातचीत पर टिकी थीं। लेकिन तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने पूरी चर्चा का फोकस बदल दिया। बैठक से पहले मेहमानों का स्वागत करते समय पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार का क्या है कहना? पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया कि ईरान अब पाकिस्तान के 20 जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा। यानी हर दिन दो जहाज इस अहम रास्ते से सुरक्षित निकल सकेंगे। डार ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में स्थिरता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऐसे फैसले दिखाते हैं कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है। अपनी बात को और मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पश्चिम एशिया के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी अधिकारी अराघची को भी टैग किया। कुल मिलाकर, डार का संदेश साफ था- तनाव के बीच भी बातचीत से ही हल निकल सकता है, और यही रास्ता आगे की शांति तय करेगा।

**पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल :** एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। वजह है उसका ए क्यू खान नेटवर्क से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड- यह वही

नेटवर्क (ग्लोबल न्यूक्लियर स्मगलिंग चेन) था जिसने ईरान, लीबिया और नॉर्थ कोरिया जैसे देशों को परमाणु तकनीक पहुंचाई थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब पाकिस्तान खुद को मध्यस्थ (गार्डियन) के रूप में पेश कर रहा है- जैसे ईरान तक अमेरिका का प्रस्ताव पहुंचाने या बातचीत करवाने की कोशिश- तो क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। अधिकारियों ने बाद में बताया कि डार को कोई चोट नहीं आई है और बैठक बिना किसी रुकावट के तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रही। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा है और लोग इस वीडियो को लेकर मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान में रविवार को एक अहम चार-पक्षीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मिस्र, तुर्की और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा हुई है ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रियों ने क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की और सुरक्षा मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए क्षेत्र में व्यापक शांति के विकल्पों पर मंथन किया। यह शिखर सम्मेलन अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता में देरी के बीच हुई है। हालांकि बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया गया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के अनुसार, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्री शनिवार को इस्लामाबाद पहुंच चुके थे, जबकि सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद रविवार को पहुंचे। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि दौरे पर आए विदेश मंत्री 'क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर गहन चर्चा' करेंगे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,

CMYK